लखनऊ

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

गुरुवार, 7 अगस्त, 2025
वर्ष : 11 । अंक: 28
मूल्य : 1 रुपये
पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

"जीवन का रंग उन्नति की उम्मीद से भरा होना चाहिए, निराशा की नहीं।"

TODAY WEATHER

DAY 37° Hi | NIGHT 26° Low

संक्षेप

बेटिंग ऐप्स प्रमोशन का मामला : ईडी के सामने पेश हुए एक्टर विजय देवरकोंडा

हैदराबाद। अभिनेता विजय देवरकोंडा बुधवार को बेटिंग ऐप्स प्रमोशन से जुड़े मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश हुए। वह सुबह करीब 11 बजे हैदराबाद के बशीरबाग स्थित ईडी के कार्यालय पहुंचे। ईडी विजय से बेटिंग ऐप्स के साथ उनके करार और प्रचार के लिए मिले भुगतान के बारे में पूछताछ कर सकती है। विजय इस मामले में ईडी के सामने पेश होने वाले दूसरे अभिनेता हैं। इससे पहले, 30 जुलाई को अभिनेता प्रकाश राज से पांच घंटे तक पूछताछ हुई थी। प्रकाश राज ने बताया कि उन्होंने साल 2016 में एक सट्टेबाजी ऐप के लिए विज्ञापन किया था, लेकिन इसके लिए उन्होंने कोई भुगतान नहीं लिया था। उन्होंने बताया कि उन्हें बाद में एहसास हुआ कि यह विज्ञापन नहीं करना चाहिए था। ईडी ने हाल ही में अभिनेता राणा दग्गुबाती, प्रकाश राज, विजय देवरकोंडा और लक्ष्मी मांचू को इस मामले में समन जारी किया था। राणा दग्गुबाती को 23 जुलाई को पेश होने के लिए कहा गया था, लेकिन उन्होंने नई तारीख मांगी। इसके बाद उन्हें 11 अगस्त को पेश होने का नया नोटिस जारी किया गया। वहीं, लक्ष्मी मांचू को 13 अगस्त को ईडी के सामने हाजिर होने को कहा गया है। ईडी ने 10 जुलाई को 29 मशहूर हस्तियों, जिनमें अभिनेता, प्रभावशाली लोग और यूट्यूबर्स शामिल हैं, के खिलाफ अवैध सट्टेबाजी ऐप्स के प्रचार का मामला दर्ज किया। यह कार्रवाई पब्लिक गैम्बलिंग एक्ट, 1867 के उल्लंघन और मनी लॉन्ड्रिंग की आशंका के तहत की गई है। जांच मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम के तहत चल रही है और यह तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में दर्ज पांच एफआईआर पर आधारित है।

धर्म परम सत्य है, इसके पालन से लोगों को साहस, दृढ़ संकल्प प्राप्त करने में मदद मिलती है : भागवत

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को कहा कि धर्म परम सत्य है तथा जिम्मेदारी के साथ इस मार्ग पर चलने से समाज को शांतिपूर्ण बनाए रखने में मदद मिलेगी। यहां धर्म जागरण न्यास के कार्यालय के उद्घाटन के अवसर पर भागवत ने कहा कि धर्म का पालन और उसके प्रति प्रतिबद्ध रहने से लोगों को संकट के समय कोई रास्ता निकालने का साहस और दृढ़ संकल्प प्राप्त करने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा, ''यदि धर्म के प्रति आपकी प्रतिबद्धता दृढ़ है, तो आप कभी हिम्मत नहीं हारेंगे। सभी ने 'छावा' (छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित) फिल्म देखी है। केवल बड़े नाम ही नहीं, बल्कि आम लोगों ने भी धर्म के प्रति प्रतिबद्ध रहने के लिए अपना बलिदान दिया है।'' भागवत ने कहा कि यह समाज की जिम्मेदारी है कि वह सुनिश्चित करे कि लोग धर्म के मार्ग से विचलित न हों। उन्होंने कहा, ''दुनिया को ऐसे धर्म की आवश्यकता है जो हिंदू धर्म की तरह विविधताओं को समाहित करे। धर्म हमें अपनापन सिखाता है और विविधताओं को स्वीकार करने की अनुमति देता है। हम विविध हैं लेकिन एक-दूसरे से भिन्न नहीं हैं। अंतिम सत्य यह है कि हम अलग दिख सकते हैं लेकिन हम एक ही हैं।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा बिहार वोटर लिस्ट का मामला, सुप्रीम कोर्टने कहा- चुनाव आयोग नाम हटाने के आरोपों पर शनिवार तक जवाब दे

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद प्रकाशित ड्राफ्ट मतदाता सूची से 65 लाख मतदाताओं के नाम हटाए जाने के आरोपों पर चुनाव आयोग (ECI) से शनिवार तक जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी सवाल किया है कि क्या एक अगस्त को प्रकाशित ड्राफ्ट सूची को राजनीतिक दलों के साथ साझा किया गया था या नहीं? सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग से उन आरोपों पर जवाब देने को कहा जो 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (ADR)' नामक गैर-सरकारी संगठन द्वारा दायर एक आवेदन में लगाए गए हैं। संगठन का आरोप है कि चुनाव आयोग ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि हटाए गए 65 लाख मतदाता कौन हैं, और यह भी नहीं बताया कि क्या ये मतदाता मृत हैं या राज्य से बाहर चले गए हैं।

EC ने 65 लाख वोटर के नाम हटाए, लेकिन सूची नहीं दी: प्रशांत भूषण

एडीआर की ओर से अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने कहा कि राजनीतिक दलों को ब्लॉक स्तर पर सूची नहीं दी गई, और यह भी स्पष्ट नहीं किया गया कि जिन नामों को शामिल या हटाया गया है, वे बूथ स्तर अधिकारियों (BLOs) की सिफारिश के आधार पर थे या नहीं। प्रशांत भूषण ने न्यायमूर्ति जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच में कहा कि 'हमने एक अंतरिम आवेदन (IA) दायर किया है। उन्होंने जो ड्राफ्ट रोल प्रकाशित किया है, उसमें कहा गया है कि 65 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। पर उन्होंने इन नामों की सूची नहीं दी है। चुनाव आयोग कह रहा है कि लोग मर चुके हैं, या पलायन कर गए हैं। उन्हें यह बताना चाहिए कि कौन हैं ये 65 लाख, कौन मृतक हैं, कौन पलायन कर चुके हैं।' प्रशांत भूषण ने कोर्ट को बताया कि दूसरी बात, जब BLOs फॉर्म भेजते हैं, तो कहते हैं कि यह व्यक्ति अनुशंसित है या नहीं। उन्होंने बाकी लोगों के लिए यह नहीं बताया, मतलब 8 करोड़ में से 65 लाख घटाकर, बाकी के लिए BLOs ने सिफारिश की है या नहीं, यह नहीं बताया गया। यह जानकारी बहुत महत्वपूर्ण है। कृपया उनकी अर्जी पर जल्द सुनवाई के लिए उसे लिस्ट किया जाए।जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि एसओपी के अनुसार, हर राजनीतिक दल के प्रतिनिधि को ब्लॉक स्तर पर सूची दी जानी चाहिए थी। भूषण ने कहा कि ऐसा नहीं किया गया है। उन्होंने यह जानकारी नहीं दी। अगर किसी राजनीतिक दल को दी भी गई है, तो इसके पीछे कारण नहीं बताए गए हैं। जस्टिस सूर्यकांत ने यह भी कहा कि यह केवल एक प्रारंभिक सूची है और अंतिम सूची के समय कारण बताए जाएंगे। प्रशांत भूषण ने यह भी आरोप लगाया कि जिन व्यक्तियों के नाम सूची में शामिल किए गए हैं, उनके लिए भी BLOs की सिफारिश नहीं ली गई है।

भूषण के आरोपों को चुनाव आयोग के वकील ने बताया गलत

चुनाव आयोग के वकील ने भूषण के आरोपों को गलत बताया और कहा कि ड्राफ्ट सूची को राजनीतिक दलों के साथ साझा किया गया था। हम केवल ड्राफ्ट रोल को सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराने के लिए बाध्य हैं। हम दिखा सकते हैं कि हमने यह सूची राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ साझा की है। इस दौरान जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि आप यह सब उत्तर में क्यों नहीं कहते? अगर आपने साझा किया है, तो उन राजनीतिक दलों की सूची दीजिए जिन्हें आपने सूची दी है। शनिवार तक अपना जवाब दाखिल करें। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम सुनिश्चित करेंगे कि हर ऐसा मतदाता, जो प्रभावित हो सकता है। उसे आवश्यक जानकारी और दस्तावेज़ देने का अवसर मिले। आप (आयोग) एक व्यापक जवाब दाखिल करें। केवल राजनीतिक दलों के साथ नहीं, बल्कि स्थानीय प्रशासन के पास भी जानकारी होनी चाहिए। अदालत याचिका पर 12 अगस्त को सुनवाई करेगा।

एसआईआर पर संसद में चर्चा से बच रही है सरकार : गौरव गोगोई

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद के मॉनसून सत्र में बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विपक्षी इंडिया ब्लॉक ने भारी हंगामा किया। विपक्ष का आरोप है कि यह संशोधन आगामी बिहार विधानसभा चुनावों से पहले मतदाताओं, खासकर दलितों, पिछड़े वर्गों और गरीब समुदायों को मताधिकार से वंचित करने की साजिश है। इसी बीच कांग्रेस सांसद और लोकसभा में उपनेता गौरव गोगोई ने कहा कि सरकार इस मुद्दे पर संसद में चर्चा से बच रही है, जो लोकतंत्र की पारदर्शिता और चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाता है। बुधवार को आईएएनएस से बातचीत के दौरान गौरव गोगोई ने पूछा कि सरकार क्या छिपाने की कोशिश कर रही है और इस चुप्पी के पीछे का डर क्या है। देश को इस बात पर चिंता जतानी चाहिए कि एक चुनी हुई सरकार मतदाता सूची के संशोधन और मतदान प्रक्रिया जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर संसद में चर्चा से बच रही है।

गोगोई ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर भी संदेह जताया और कहा कि विपक्ष इस मुद्दे पर खुली चर्चा चाहता है ताकि आम लोगों को अपने मताधिकार और मतदान केंद्रों की जानकारी स्पष्ट हो सके। यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मसला नहीं है, इसलिए सरकार को सदन में खुली चर्चा से बचने का कोई कारण नहीं होना चाहिए। अगर सरकार इस विषय को संसद में नहीं उठने देगी, तो लोग अपने सवाल कहां पूछेंगे?

कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अगर चुनाव आयोग मनमाने ढंग से काम करेगा और सत्तापक्ष की कठपुतली बनकर रहेगा, तो लोकतंत्र खतरे में पड़ जाएगा। लोकतंत्र को बचाने के लिए संसद, जो लोकतंत्र का मंदिर है, उसमें इस मुद्दे पर खुली चर्चा होनी चाहिए।

उन्होंने संविधान में निहित चेक एंड बैलेंस की व्यवस्था का हवाला देते हुए कहा कि चुनाव आयोग निरंकुश हो रहा है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए खतरनाक है। पश्चिम बंगाल में एसआईआर को लेकर उन्होंने विशेष रूप से चिंता जताई और आरोप लगाया कि चुनाव आयोग लोकतंत्र को कमजोर करने पर आमादा है, जो अत्यंत दुखद है।

इमरान मसूद ने कहा कि विपक्ष संसद के बाहर लगातार एसआईआर के खिलाफ आपत्ति दर्ज करा रहा है, लेकिन सरकार और चुनाव आयोग की ओर से कोई सुनवाई नहीं हो रही।

बिहार मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण पर संसद में चर्चा चाहता है विपक्ष, सरकार इच्छुक नहीं : खरगे

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को कहा कि विपक्षी पार्टियां बिहार में चल रही 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) यानी मतदाता सूची की विशेष गहन समीक्षा पर संसद में चर्चा की मांग कर रही हैं, लेकिन सरकार इस पर चर्चा के लिए तैयार नहीं है। खरगे ने चेतावनी दी कि अगर सरकार इस मुद्दे पर चर्चा से इनकार करती है, तो इसे ऐसा माना जाएगा कि वह लोकतंत्र और संविधान को नहीं मानती। उन्होंने कहा, 'एसआईआर पर चर्चा बेहद जरूरी है ताकि हर भारतीय नागरिक के मतदान के अधिकारों की रक्षा की जा सके।' विशेष गहन पुनरीक्षण एक प्रक्रिया है जिसमें चुनाव आयोग मतदाता सूची को दोबारा जांचेगा, ताकि उसमें किसी भी तरह की गलती, दोहराव या अपात्र नामों को हटाया जा सके और नए योग्य मतदाताओं को जोड़ा जा सके।

विपक्ष की क्या है चिंता?

विपक्षी दलों का कहना है कि बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया पारदर्शी नहीं है, और इससे कई लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटाए जा सकते हैं, जिससे उनके वोट देने का अधिकार छिन सकता है। इसी वजह से वे इस पर संसद में खुली बहस चाहते हैं। खरगे ने यह भी कहा कि, 'अगर सरकार वाकई में लोकतांत्रिक मूल्यों को मानती है, तो उसे एसआईआर पर खुलकर चर्चा करनी चाहिए।'

प्रियंका गांधी ने सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

पत्रकारों से बातचीत के दौरान प्रियंका गांधी ने कहा कि क्या सरकार इतनी कमजोर हो गई है कि न संसद चला पा रही है और न ही अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर जवाब दे पा रही है। उन्होंने कहा कि हम तो सिर्फ चर्चा की मांग कर रहे हैं। उनके लिए इसे सुलझाना आसान है? वहीं दूसरी ओर इसी मुद्दे पर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसदों ने भी संसद परिसर में प्रदर्शन किया। उनके हाथों में बंगाल का अपमान बंद करो जैसे संदेशों वाले पोस्टर थे। इस बीच, कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी ने राज्यसभा में 'काम स्थगन नोटिस' दिया ताकि इस मुद्दे पर चर्चा कराई जा सके। वहीं, लोकसभा में कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने स्थगन प्रस्ताव लाकर बिहार में मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं पर तुरंत चर्चा की मांग की।

राहुल गांधी का प्रधानमंत्री पर तीखा हमला

'पीएम मोदी, ट्रंप के सामने नहीं टिक सकते..'

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को प्रधानमंत्री मोदी पर तीखा हमला बोला और कहा कि अदाणी समूह के खिलाफ अमेरिका में चल रही जांच के कारण पीएम मोदी, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने टिक नहीं हो सकते। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि इस जांच से वित्तीय संबंधों का कथित खुलासा होने का खतरा है। एक्स पर साझा एक पोस्ट में राहुल गांधी ने लिखा, 'भारत, कृपया समझें: राष्ट्रपति ट्रंप की बार-बार की धमकियों के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी उनके सामने टिक नहीं पा रहे हैं, क्योंकि अदाणी मामले में अमेरिका की जांच चल रही है।'

राहुल गांधी ने पोस्ट में लिखा कि, 'एक खतरा मोदी, एए और रूसी तेल सौदों के बीच के वित्तीय संबंधों का खुलासा होने का भी है। मोदी के हाथ बंधे हुए हैं।' टैरिफ को लेकर भारत और अमेरिका के बीच चल रहे तनाव के बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि बड़ी मात्रा में रूसी तेल खरीदने के लिए अमेरिका भारत पर काफी बढ़ा हुआ टैरिफ लगाएगा। उन्होंने दावा किया कि रूस से खरीदे गए तेल का हिस्सा खुले बाजार में भारी मुनाफे पर बेचा जा रहा है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर साझा पोस्ट में लिखा, 'भारत न केवल भारी मात्रा में रूसी तेल खरीद रहा है, बल्कि खरीदे गए तेल का एक बड़ा हिस्सा खुले बाजार में भारी मुनाफे पर बेच रहा है। उन्हें इस बात की कोई परवाह नहीं है कि रूस द्वारा यूक्रेन में कितने लोग मारे जा रहे हैं। इस वजह से, मैं भारत पर लगने वाले टैरिफ में भारी वृद्धि करूंगा। इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद!!!'

भारत सरकार ने दिया करारा जवाब

वहीं भारत ने राष्ट्रीय हित के आधार पर ऊर्जा नीति बनाने के अपने संप्रभु अधिकार का बचाव किया। भारत सरकार ने साफ किया कि भारत की ऊर्जा खरीद बाजार की गतिशीलता और राष्ट्रीय हितों से तय होती है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पिछले हफ्ते ट्रंप द्वारा रूसी तेल खरीदने पर जुर्माने की घोषणा के बारे में पूछे गए सवालों के जवाब में कहा, 'आप हमारे दृष्टिकोण से अवगत हैं, हम बाजार में उपलब्ध संसाधनों और मौजूदा वैश्विक स्थिति पर गौर करते हैं।

साइबर फ्रॉड मामले में ईडी की बड़ी कार्रवाई, दिल्ली, गुरुग्राम और देहरादून में 11 ठिकानों पर की छापेमारी

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय साइबर धोखाधड़ी के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक बड़ी कार्रवाई की है। बुधवार सुबह ईडी ने दिल्ली-एनसीआर और उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में 11 जगहों पर तलाशी अभियान चलाया। साइबर ठगों ने खुद को पुलिस या जांच अधिकारी बताकर कई विदेशी और भारतीय नागरिकों को ठगा था।

यह छापे केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और दिल्ली पुलिस की ओर से दर्ज की गई एफआईआर के आधार पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत चल रही जांच का हिस्सा हैं। ईडी ने बुधवार सुबह दिल्ली के अलावा नोएडा और गुरुग्राम में छापे मारे।

प्रारंभिक जांच में यह खुलासा हुआ है कि भारतीय और विदेशी नागरिकों से ठगों ने पुलिस या जांच एजेंसियों के अधिकारी बनकर धोखाधड़ी की। इन लोगों को गिरफ्तार करने की धमकी देकर उनसे बड़ी धनराशि वसूली गई। इसके अलावा, आरोपी खुद को माइक्रोसॉफ्ट या अमेजन की तकनीकी सहायता टीम का सदस्य बताकर भी लोगों को झांसे में लेते थे और उनसे ठगी करते थे। पीड़ितों की धनराशि को क्रिप्टोकरेंसी में बदला गया और फिर आरोपियों के पास ट्रांसफर किया गया। जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने इस प्रकार से करीब 260 करोड़ रुपए की रकम बिटकॉइन के रूप में अलग-अलग क्रिप्टो वॉलेट्स में जमा की थी। इन बिटकॉइन्स को बाद में यूएसडीटी (क्रिप्टो टोकन) में बदलकर नकदी में तब्दील किया गया। यह पूरा लेनदेन यूएई स्थित हवाला ऑपरेटरों और अन्य माध्यमों से किया गया।

मिसाइल, ड्रोन और ब्रह्मोस तीनों सेनाओं को मिलेंगे 'घातक' हथियार, 67000 करोड़ के रक्षा सौदे को मिली मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा खरीद परिषद (डीएसी) ने तीनों सेनाओं की सैन्य क्षमताओं को बढ़ाने के लिए लगभग 67,000 करोड़ रुपये के रक्षा उपकरणों और हथियारों की खरीद को मंजूरी दे दी। इस स्वीकृति के तहत सेना की रात्रिकालीन इन्फैंट्री क्षमताओं में वृद्धि के लिए थर्मल इमेजर, नौसेना के लिए ब्रह्मोस फायर कंट्रोल सिस्टम और लांचर तथा बराक-1 प्वाइंट डिफेंस मिसाइल सिस्टम के उन्नयन की योजना शामिल है।

वायुसेना के लिए पर्वतीय रडार

सीमावर्ती पहाड़ी इलाकों में वायुसेना की वायु रक्षा क्षमता को सशक्त बनाने के लिए पर्वतीय रडारों की खरीद को भी मंजूरी दी गई है। इसके अलावा, युद्ध की बदलती जरूरतों को देखते हुए तीनों सेनाओं के लिए मध्यम ऊंचाई वाले लंबी दूरी के रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट (एमएएलई-आरपीए) की खरीद भी स्वीकृत की गई है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में डीएसी ने 67,000 करोड़ रुपये के विभिन्न रक्षा खरीद प्रस्तावों को मंजूरी दी। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, थलसेना के लिए थर्मल इमेजर आधारित ड्राइवर नाइट साइट की खरीद से बीएमपी वाहनों की रात्रिकालीन ड्राइविंग क्षमता बेहतर होगी और मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री को अधिक गतिशीलता मिलेगी।

भारतीय नौसेना के लिए कांपैक्ट ऑटोनोमस सरफेस क्राफ्ट, ब्रह्मोस फायर कंट्रोल सिस्टम और लांचर की खरीद की जाएगी। बराक-1 प्वाइंट डिफेंस मिसाइल सिस्टम का भी उन्नयन होगा। कांपैक्ट ऑटोनोमस सरफेस क्राफ्ट की सहायता से नौसेना को पनडुब्बी रोधी अभियानों में खतरों की पहचान, वर्गीकरण और उन्हें निष्क्रिय करने की क्षमता मिलेगी।

वायुसेना के लिए पर्वतीय रडारों की खरीद के साथ-साथ स्पाइडर हथियार प्रणाली को उन्नत किया जाएगा, जिससे पूर्वी लद्दाख में चीन सीमा पर निगरानी क्षमता को मजबूती मिलेगी। यह प्रणाली एकीकृत वायु कमान और नियंत्रण प्रणाली से भी जुड़ी होगी, जिससे वायु रक्षा क्षमता में और बढ़ोतरी होगी।

मध्यम ऊंचाई वाले लंबी दूरी के रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट लंबी दूरी के मिशनों और हमलों के संचालन में सक्षम होते हैं। इससे सशस्त्र बलों की चौबीसों घंटे निगरानी और युद्ध क्षमता में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी होगी। डीएसी ने वायुसेना के सी-17 और सी-130जे परिवहन विमानों के बेड़े के रखरखाव तथा एस-400 लंबी दूरी की वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली के वार्षिक रखरखाव अनुबंध को भी मंजूरी दे दी है।

संजय राउत ने उत्तरकाशी त्रासदी पर जताया दुख, बोले- सरकार को पहाड़ी राज्यों पर देना होगा विशेष ध्यान

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने बुधवार को उत्तराखंड में बादल फटने की घटना पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि देशभर से पर्यटक पहाड़ी राज्यों में जाते हैं। लोग वैष्णो देवी, अमरनाथ, केदारनाथ जैसे तीर्थ स्थलों पर आते हैं, इसलिए उत्तराखंड, हिमाचल जैसे राज्यों पर सरकार को विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए बताया कि महाराष्ट्र के सैकड़ों पर्यटक और लोग पहाड़ी इलाकों में बाढ़ के कारण फंस गए हैं, जिससे पूरा देश चिंतित है। उन्होंने मांग की कि इन क्षेत्रों में मजबूत इंतजाम करने होंगे ताकि पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। साथ ही, संजय राउत ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयानों पर भी निशाना साधा और कहा कि ट्रंप ने भारत को व्यापार के लिए अच्छा साथी नहीं बताया, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दावा करते हैं कि भारत विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। ट्रंप कह रहे हैं कि भारत अच्छा ट्रेड पार्टनर नहीं है, तो बिना व्यापार के इतनी बड़ी अर्थव्यवस्था कैसे बनेगी? क्या ट्रंप पीएम मोदी को झूठा बता रहे हैं? ट्रंप बार-बार पीएम को अपमानित कर रहे हैं, जिससे दुनिया में प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ माहौल बन गया है। प्रधानमंत्री मोदी को यह सब समझना चाहिए। इसके अलावा, संजय राउत ने इंडिया ब्लॉक की बैठक पर भी बात की और कहा कि गठबंधन की लंबे समय बाद होने वाली इस बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा होगी, जैसे देश की मौजूदा स्थिति, पीएम मोदी के दावों की सच्चाई, ऑपरेशन सिंदूर और बिहार चुनाव।

स्वामी प्रसाद मौर्य को पहनाई माला, फिर मारा तमाचा, कैमरे में कैद हुआ हमला

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

रायबरेली। RSSP के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य पर हमला हुआ है। रायबरेली में स्वागत के दौरान दो युवकों ने मौर्य पर हमला किया। माला पहनाने के दौरान पीछे से आए युवकों ने स्वामी प्रसाद मौर्य के सिर पर तमाचा मारा किया। यह पूरी घटना कैमरा में कैद हो गई।

दरअसल, जिस समय मौर्य के स्वागत के लिए लोग उन्हें माला पहनाने लगे, तभी एक व्यक्ति पीछे से आया और उसने मौर्य के सर पर मारा। हालांकि, तमाचा स्वामी प्रसाद को छट कर कार्यकर्ता को लगा। नाराज कार्यकर्ताओं ने पुलिस की मौजूदगी में दोनों युवकों को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा। मारपीट में इंस्पेक्टर अजय राय की वर्दी भी खून से लाल

हो गई।

मौर्य ने योगी सरकार पर साधा निशाना

स्वामी प्रसाद मौर्य ने योगी सरकार पर हमला बोला। मौर्य ने कहा, योगी सरकार के गुंडे है करणी सेना के लोग। करणी सेना के लोग सजातीय होने का लाभ ले रहे करणी सेना के लोग। लखनऊ से फतेहपुर जाते समय रायबरेली में स्वामी प्रसाद मौर्य रुके थे। तभी मिलएरिया थाना क्षेत्र के सारस चौराहे में यह घटना सामने आई। वीडियो में साफ दिख रहा है कि कैसे युवक भीड़ के बीच घुसकर मौर्य पर हमला करने का मौका तलाश करता है। बॉडी गार्ड की नजर से बचकर मौका मिल जाने पर उनके सिर पर तमाचा मारता है। हमला करने के फौरन बाद युवक मौके से फरार होने की कोशिश करता है लेकिन कार्यकर्ता उसे पकड़ लेते हैं और सबक सिखाते हैं।

स्वामी प्रसाद मौर्य सुरक्षित

स्वामी प्रसाद मौर्य इस हमले के बाद पूरी तरह से सुरक्षित हैं। युवक ने उन्हें पीछे से सिर पर तमाचा मारा, जो उन्हें हलका सा लगा और कार्यकर्ता को लग गया। हालांकि, हमले में मौर्य को किसी तरह की चोट नहीं आई है। युवक को फौरन पकड़ लिया गया। बॉडी गार्ड और कार्यकर्ता हमला होने के बाद युवक की तरफ लपकें और उसे पकड़ कर मारा गया।

जीजीआईसी ने डीएम कार्यालय तक निकाली भव्य तिरंगा रैली

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। पीएम श्री केशकुमारी राजकीय बालिका इंटर कॉलेज सुल्तानपुर में हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत तिरंगा रैली एवं राखी निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया। केश कुमारी राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, सुल्तानपुर ने एक भव्य तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। इस तिरंगा रैली में विद्यालय की लगभग 500 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली में छात्राओं ने अपने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज थामे देशभक्ति के नारों के साथ जिलाधिकारी कार्यालय तक गईं, जिससे समूचा वातावरण राष्ट्रभक्ति के रंग में रंग गया। रैली का उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रीय एकता, देशप्रेम तथा तिरंगे के प्रति सम्मान की भावना जागृत करना है। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में छात्राओं के लिए राखी बनाने की कार्यशाला भी

आयोजित की गई। कार्यशाला में छात्राओं ने पारंपरिक एवं नवाचारी तरीके से सुंदर-सुंदर राखियाँ तैयार की, जो नारी सशक्तिकरण और भारतीय संस्कृति के मूल्यों को दर्शाता है। विद्यालय की प्रधानाचार्या पल्लवी सिंह ने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन छात्राओं में रचनात्मकता, सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्रभक्ति की भावना विकसित होती है। कार्यक्रम में विद्यालय की शिक्षिका डॉ रीना केसरवानी, डॉ दीपा द्विवेदी, डॉ मुक्ता सिंह, अंजना सिंह, सुनीता देवी सरोज, तृप्ति मिश्रा, सीमा यादव उपस्थिति रहीं।

चन्दन शर्मा हत्या को लेकर परशुराम युवा वाहिनी में आक्रोश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। परशुराम युवा वाहिनी मिशन परशुराम चौक रजि. संगठन ने चंदन शर्मा के हत्यारों को गिरफ्तारी की मांग को लेकर जिलाधिकारी से मुलाक़ात करके मुख्यमंत्री को पत्र भेजा और पुलिस अधीक्षक से मुलाकात की आरोपियों को जल्द से जल्द कठोर कार्यवाही करने की मांग रखी। इस मौके पर उपस्थित नगर अध्यक्ष अरविंद राय ने बताया कि एक अगस्त को जयसिंहपुर कोतवाली क्षेत्र के हलियापुर-बेलवाई मार्ग पर बंझना निवासी चंदन शर्मा की हत्या के मामले को उठाया गया है। जेसीबी चालक से विवाद के बाद कार सवार तीन लोगों ने उसकी कुचलकर हत्या कर दी। इस घटना में लगभग एक दर्जन लोग भी घायल हुए हैं। पुलिस प्रशासन के द्वारा तत्काल प्रभाव से आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए। इस मौके पर सौरभ मिश्रा कटका क्लब ने बताया कि

आरोपी अभी भी पीड़ति परिवार को धमकी दे रहा है कि अभी एक हत्या हुई है, आगे और भी हत्या करूंगा। परिवार के अनुसार, मुख्य आरोपी कुरेभार थाने का हिस्ट्रीशीटर है और दबंग, माफिया किस्म का व्यक्ति है। पुलिस प्रशासन को तत्काल प्रभाव से आरोपियों को गिरफ्तार करके जेल भेजा जाए पीड़ति परिवार को 25 लाख का मुआवजा दिया जाए। इस मौके पर नगर कोषाध्यक्ष संजय शुक्ला ने कहा है आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर पीड़ति परिवार को 25 लाख मुआवजा यदि नहीं दिया गया तो आने वाले समय में उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। प्रदर्शन के दौरान वेदांग एडवोकेट, संतोष मिश्रा, जय प्रकाश पाण्डेय, विपिन पाण्डेय, घनश्याम तिवारी,हरेंद्र मिश्रा, नीतिन मिश्र, शनि मिश्रा आदि लोग उपस्थित रहे।

बच्चों के चेहरों पर लौटेगी खिलखिलाती मुस्कान

बाराबंकी। जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं कार्यालय मुख्य चिकित्साधिकारी में बुधवार को जन्म से कटे होंठ व कटे तालू' से ग्रसित मरीजों के इलाज हेतु निःशुल्क पंजीकरण शिविर' लगाया गया।मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ अवधेश यादव ने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं कार्यालय मुख्य चिकित्साधिकारी में 1अगस्त से आरंभ हुआ कैंप 6 अगस्त तक चला। पांच दिवसीय कैंप में 97 मरीजों का निःशुल्क परीक्षण हुआ, जिसमे '66 मरीजों' को ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया और 31 मरीजों को स्पीच थेरेपी के लिए भी चिन्हित किया गया। पूर्ण रूप से स्वस्थ बच्चे की मुस्कान ही उसका आत्म विष्वास जगाती है। इसी आत्माविष्वास को वापस लाने में अमेरिका की स्माइल ट्रेन प्रोजेक्ट के निदेशक डॉ वैभव खन्ना एवं डॉ आदर्श कुमार हेल्थ सिटी ट्रामा सेंटर एवं सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल सार्थक भूमिका निभा रहें है।

'अश्लील Reels बनाने वाली लड़कियां नीला ड्रम ही भरेंगी' प्रेमानंद के समर्थन में आई साध्वी प्राची, बोलीं– '5 बॉयफ्रेंड रखने वालीं...'

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

मेरठ। अनिरुद्धाचार्य और संत प्रेमानंद के बाद अब साध्वी प्राची ने लड़कियों के चरित्र को लेकर ऐसा बयान दिया है, जो कि चर्चा का केंद्र बना हुआ है। उन्होंने कहा कि पैसा कमाने के चक्कर में लड़कियां अश्लील वीडियो बनाकर इंस्टाग्राम और कई शोसल मीडिया प्लेटफॉम पर डाल रही हैं। अगर बेटियों को बचाना है, तो उनके परिवार वालों को जागना होगा। इन बेटियों को इंस्टाग्राम और सोशल मीडिया से दूर करना होगा।

आगे- कहा कि आजकल लड़कियां पांच-पांच बॉयफ्रेंड रखती हैं। ऐसी लड़कियां क्या किसी का घर संभालेंगी। वो तो मेरठ की मुस्कान की तरह नीला ड्रम ही भरेंगी। साध्वी प्राची मंगलवार की शाम बागपत से हरिद्वार जा रही थीं। इसी दौरान उन्होंने मुजफ्फरनगर के शिव चौक पर मीडिया से बात की। इस दौरान उन्होंने समाज से सवाल किया कि प्रेमानंद महाराज ने क्या कुछ गलत

कहा है? क्या समाज में ऐसा नहीं हो रहा है? उन्होंने हाल ही में हुई घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा- मेरठ में सौरभ हत्याकांड हो या इंदौर का राजा रघुवंशी हत्याकांड, ये सभी इसी बिगड़ी हुई संस्कृति का ही परिणाम हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने रील बनाने वाली लड़कियों को देखा कि वे सावन के इस पावन महीने में भी किस हद तक अश्लीलता फैला रही थी।

पैसा कमाने की होड़ में अश्लीलता

उन्होंने कहा कि कांवड़ के दौरान इन लड़कियों ने अश्लील वीडियो इंस्टाग्राम पर डालकर सबको शर्मसार कर दिया। पैसा कमाने की ऐसी होड़ है कि वे अश्लील वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर भी डाल रही थीं। साध्वी प्राची ने आजकल के हालातों को गंभीर बताते हुए अभिभावकों से आग्रह किया कि वो बेटियों का ख्याल रखें और उन्हें इस सबसे बचाएं।

संस्कृति और परंपरा की दुहाई

साध्वी प्राची ने कहा- दुनिया हमें हमारी संस्कृति और परंपरा से जानती है। दुनिया में हमारी संस्कृति सर्वश्रेष्ठ है। हमारी संस्कृति में पति को परमेश्वर माना जाता है। जबकि, आज की स्थिति इससे अलग है। लड़कियां कई बॉयफ्रेंड रख लेती हैं और पति की हत्या कर देती हैं। हाल ही में हुए सौरभ-मुस्कान कांड और इंदौर का राजा-सोनम रघुवंशी कांड इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है।

खारा की पूर्व प्रधान पर लगा लाखो का घोटाला करने का आरोप

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। पूर्व प्रधान द्वारा कराए गए विकास कार्यों में व्यापक फर्जीवाड़ा की शिकायत ग्रामीण ने की है। बता दे कि विकास खन्ड धनपतगंज की ग्राम पंचायत खारा की ग्राम प्रधान उमा शुक्ला रही पूर्व प्रधान के ऊपर खारा गांव के निवासी डाक्टर शिव शंकर गुप्ता ने सरकारी धन को गवन करने का गंभीर आरोप लगाते हुए शिकायत की है। आरोप है कि स्वच्छता अभियान के अंतर्गत शौचालय निर्माण में वर्ष 2015 से 2020 तक 22 लाख 02 हजार 927 रूपये का बड़ा घोटाला किया है। शिकायतकर्ता ने बताया कि उनकी विधवा माता विद्या देवी जिनका शौचालय (आई.डी. संख्या 912585536 एल.ओ.बी) के नाम पर पूर्व प्रधान उमा शुक्ला द्वारा बिना शौचालय निर्माण कराए ही 12000 रुपये निकाल कर गवन कर लिया ऐसे ही ग्राम पंचायत के लगभग 145 शौचालय की धनराशि 17लाख 40,000 हजार रूपये का भी गवन पूर्व प्रधान द्वारा किया गया है। शिकायतकर्ता ने ग्राम पंचायत खारा में सरकार द्वारा कुल लाख 71,58,927 की धनराशि आवंटित की गई थी, आवंटित धनराशि में से पूर्व प्रधान द्वारा 558 शौचालय के निर्माण हेतु 66लाख 96,000 हजार रूपये की धनराशि खर्च की गई खाते में शेष धनराशि 4 लाख 62 हजार 927 रूपये बिना शौचालय निर्माण कराए ही पैसे का बंदरवाट करने का आरोप लगाया है। शिकायतकर्ता डॉ शिवशंकर गुप्ता ने मुख्यमंत्री को शपथ पत्र युक्त शिकायती पत्र देकर पूर्व प्रधान उमा शुक्ला द्वारा किए गए काले कारनामों के खिलाफ उच्च स्तरीय, एवं न्याय संगत कार्यवाही करने की मांग की गई थी। डॉक्टर शिवशंकर गुप्ता द्वारा दिए गए शिकायतकर्ता की शिकायती पत्र का संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी सुल्तानपुर ने जिला पंचायती राज अधिकारी (डी.पी.आर.ओ) को टीम गठित कर ग्राम सभा में पूर्व प्रधान द्वारा किए गए घोटाले की जांच पंचायत भवन, खारा, में जांच के निर्देश दिए है।

पेड़ पर चढ़कर बैठा तेंदुआ... गांव में खौफ, अंधेरा होने से लौटी फॉरेस्ट विभाग की टीम

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। सरायइनायत थाना क्षेत्र के दक्षिणी कोटवां गांव के सामने गंगा नदी के दो धाराओं के बीच पेड़ पर चढ़ा तेंदुआ देखा गया। लोगों ने इसकी सूचना वन विभाग को दी।

मौके पर पहुंची फॉरेस्ट की टीम अंधेरा होने और गंगा में अधिक बाढ़ होने से लौट आई। बताया जाता है कि कोटवां,ककरा दुबावल लीलापुर सहित कई गांवों के लोग अपने मवेशी गंगा के दो धाराओं के बीच टापू में रखते हैं और नाव से उन्हें चारा देने जाते हैं।

मंगलवार की शाम दक्षिणी कोटवा के लोग नाव से अपने मवेशियों को चारा देने जा रहे थे, तभी उनकी निगाह एक पेड़ पर पड़ी तो देखा कि तेंदुआ छिपकर बैठा हुआ है। लोग भयभीत होकर वापस लौट गए और इसकी सूचना वन विभाग को दी।

कुछ देर बाद फूलपुर रेंजर लक्ष्मीकांत दुबे उनके साथ में

फॉरेस्टर विनय सिंह व वीरेंद्र सिंह कुछ गांव के लोगों के साथ नाव से मौके पर पहुंचे अंधेरा होने की वजह से उसको पकड़ा नहीं जा सका।

जिस पेड़ पर तेंदुए को देखा गया, उसके चारों तरफ बाढ़ का पानी फैला हुआ है। अंदाजा लगाया जा रहा है कि तेंदुआ आसपास के जंगलों में रहता था। गंगा नदी में दोनों धाराओं में बाढ़ होने की वजह से पेड़ का सहारा लिया था। लोगों ने बताया कि कुछ दिन पहले गंगा के दोनों धाराओं के बीच घने जंगल में देखा गया था।रेंजर लक्ष्मीकांत दुबे ने बताया कि चारों तरफ पानी काफी है। अंधेरा होने की वजह से दिखाई नहीं दे रहा है। दिन में प्रयास किया जाएगा।

गन्ना लगाकर किसान कमाये डेढ़ लाख रुपये: दुष्यंत कुमार

बाराबंकी। सहकारी गन्ना विकास समिति लि. बुढ़वल व बलरामपुर चीनी मिल्स लि. इकाई हैदरगढ़ के द्वारा 'गन्ना फसल में ड्रिप सिंचाई के प्रयोग से आय में वृद्धि' करने विषयक एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में नेटाफिम के एएम रमेश कुमार व एजीएम दीपक द्वारा गन्ना में ड्रिप सिंचाई संयंत्र की स्थापना, उसके लाभ, लागत इत्यादि पर विस्तृत जानकारी दी गई। दिलीप सिंह, ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक बुढ़वल द्वारा गन्ना कृषकों को आगामी शरदकालीन बुआई के विषय में विभाग में संचालित जिला योजना व राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत देय लाभों के विषय में अवगत कराया। जिला गन्ना अधिकारी डॉ दुष्यन्त कुमार ने कृषकों से अपील की कि जिला में गन्ना फसल के क्षेत्रफल में वृद्धि की असीम संभावनाएं हैं। इससे किसानों की आय में वृद्धि होने के साथ जिला की ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी समृद्ध होगी। टपक सिंचाई की योजना के विषय में 80 से 90 प्रतिशत अनुदान के विषय में जानकारी भी दी।

गन्ना में ड्रिप सिंचाई के लाभ पर कार्यशाला

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बाराबंकी। जिला बाराबंकी की सहकारी गन्ना विकास समिति लि. बुढ़वल व बलरामपुर चीनी मिल्स लि. इकाई हैदरगढ़ के द्वारा गन्ना फसल में ड्रिप सिंचाई के प्रयोग से आय में वृद्धि करने विषयक एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नेटाफिम के एएम रमेश कुमार व एजीएम दीपक द्वारा गन्ना में ड्रिप सिंचाई संयंत्र की स्थापना, उसके लाभ, लागत इत्यादि पर विस्तृत जानकारी दी गई। दिलीप सिंह, ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक बुढ़वल द्वारा गन्ना कृषकों को आगामी शरदकालीन बुआई के विषय में विभाग में संचालित जिला योजना व राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत देय लाभों के विषय में अवगत कराया।डॉ दुष्यन्त कुमार, जिला गन्ना अधिकारी ने कृषकों से अपील की कि जिला में गन्ना फसल के क्षेत्रफल में वृद्धि की असीम संभावनाएं हैं। केवल गन्ना फसल का उत्पादन करके किसान लगभग ₹ 1.5 लाख प्रति हेक्टेयर, किन्तु गन्ना के साथ सहफसल बोने पर लगभग 2.00 से 2.25 लाख प्रति हेक्टेयर तथा गन्ना के साथ सह फसल व *ड्रिप सिंचाई का प्रयोग करके लगभग 2.25 से 2.5 लाख रुपये की प्रति हेक्टेयर शुद्ध बचत कर सकते हैं।* इससे किसानों की आय में वृद्धि होने के साथ जिला की ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी समृद्ध होगी। टपक सिंचाई की योजना के विषय में 80 से 90 प्रतिशत अनुदान के विषय में जानकारी भी दी।ग्राम मधवा जलालपुर के प्रगतिशील कृषक श्री दुर्गेश कुमार मिश्र द्वारा अपने गन्ना की फसल में पूर्व से लगाये गए ड्रिप सिंचाई संयंत्र के लाभों के विषय में अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम में विकास सिंह, सहायक गन्ना प्रबन्धक, सरोज कुमार त्रिवेदी, सहायक गन्ना प्रबंधक, समस्त गन्ना पर्यवेक्षक सहित बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया।

शिक्षकों की बीएलओ ड्यूटी का विरोध तेज, शिक्षक संघ ने प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। पंचायत चुनाव की तैयारियों के तहत जिले में चल रहे मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में बेसिक शिक्षकों की बीएलओ ड्यूटी लगाए जाने के विरोध में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने मोर्चा खोल दिया है।शिक्षक संघ के प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर उप जिलाधिकारी सदर विपिन कुमार द्विवेदी को ज्ञापन सौंपा और शिक्षकों को बीएलओ की जिम्मेदारी से तत्काल मुक्त करने की मांग की।संघ पदाधिकारियों ने कहा कि शिक्षकों का कार्य केवल शिक्षण है, लेकिन बार-बार उन्हें गैर-शैक्षणिक कार्यों में लगाया जा रहा है, जिससे न केवल उन पर अतिरिक्त भार पड़ता है, बल्कि छात्रों की पढ़ाई भी बाधित होती है।ज्ञापन में स्पष्ट चेतावनी दी गई कि यदि शिक्षकों को बीएलओ ड्यूटी से मुक्त नहीं किया गया, तो संगठन आंदोलनात्मक कदम उठाने को बाध्य होगा।प्रतिनिधिमंडल में कुड़वार, बल्दीराय, दूबेपुर व कूरेभार ब्लॉकों के शिक्षक संघ पदाधिकारी शामिल रहे। प्रमुख नामों में निजाम खान, राम बहादुर मिश्रा, अब्दुल मजीद, डॉ. रीतेश सिंह, हेमंत यादव, धीरेंद्र राव, सुहेल सिद्दीकी, मुजफ्फर कलीम खान, मुहम्मद मुजतबा, बृजेश मिश्रा, विनय पांडेय सहित कई शिक्षक नेता शामिल थे।

करंट की चपेट में युवक की मौत

सिद्धौर, बाराबंकी। थाना असन्द्रा क्षेत्र की ग्राम पंचायत भवनियापुर में बीती मंगलवार की रात करंट की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उपचार के लिए सीएचसी रामसनेहीघाट ले गए। जहां पर चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। इसकी सूचना पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम को भेजा है। जानकारी के अनुसार, असंद्रा थाना क्षेत्र के भवनियापुर गांव निवासी किसान अमानत अली (32) पुत्र अजमत अली मंगलवार को मवेशियों से फसल की रखवाली करने के लिए खेत गया था। देर रात घर लौटा युवक में उमस भरी गर्मी से राहत महसूस करने की जरूरत समझी। स्टार्ट टेबल फैन को अपनी तरफ घुमाया। मगर उसमे दौड़ रहे विद्युत करंट की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से झुलस गया। उसकी चीख पर परिजन भागकर पहुंचे। उसे सीएचसी बनीकोडर ले गए। जहां पर चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर रामसनेहीघाट पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम को भेजा है।

ड्रोन के नाम पर अफवाह फैलाना पड़ा भारी, दो महिला यू-ट्यूबर के खिलाफ मुकदमा दर्ज

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। मुख्यमंत्री के आदेश के बाद पुलिस ने ड्रोन के जरिये दहशत और भ्रम फैलाने वालों पर कार्रवाई शुरू कर दी। इसी क्रम में ब्रह्मपुरी पुलिस ने दो महिला यू-ट्यूबर पर मुकदमा दर्ज किया है। दोनों ने इंस्टाग्राम आइडी पर अफवाह फैलाने का वीडियो अपलोड किया। दोनों को थाने से जमानत देकर नोटिस पर हस्ताक्षर कराए हैं। उनकी आइडी ब्लाक कराने के लिए पुलिस फेसबुक और यू ट्यूब को मेल भेजेगी।

खत्ता रोड स्थित रसीद नगर निवासी लायवा पुत्री यामीन एमएससी में पढ़ती है। लायवा के इंस्टाग्राम अकाउंट पर 80 हजार फालोअर्स हैं। लायवा ने इंस्टाग्राम आइडी पर एक वीडियो अपलोड किया, जिसमें बता रही हैं कि रात के तीन बजे हैं। उन्होंने ड्रोन उड़ाने वाले चोर को पकड़ लिया

है।

सरस्वती लोक निवासी मीनाक्षी भी फैला रही थी दहशत

इसी तरह से सरस्वती लोक निवासी यू-ट्यूबर मीनाक्षी पत्नी विनय कुमार ने भी एक वीडियो इंस्टाग्राम आइडी पर अपलोड किया। वीडियो में मीनाक्षी ने ड्रोन के चोर के बारे में जानकारी दी। दोनों महिलाएं लोगों को गलत जानकारी देकर दहशत फैला रही हैं। मीनाक्षी के भी 70 हजार फालोअर्स हैं।

ब्रह्मपुरी पुलिस ने दोनों के खिलाफ आइटी एक्ट और अफवाह फैलाने की धारा 351 बीएनएस में मुकदमा दर्ज किया। एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि प्रसिद्धि पाने के लिए यू-ट्यूबर अफवाह फैला रहे हैं। सभी के अकाउंट पुलिस चिह्मित कर रही है। अफवाह फैलाने वालों पर गैंगस्टर से लेकर रासुका की कार्रवाई भी की जाएगी।

यह है 66ई आइटी एक्ट और सजा का प्रविधान

व्यक्ति की सहमति के बिना, उसकी निजी क्षेत्र की तस्वीर या वीडियो को कैप्चर, प्रकाशित या प्रसारित करना। इस पर तीन साल तक की कैद या दो लाख रुपये तक का जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। 351 बीएनएसः किसी भी व्यक्ति को जानबूझकर डराना। सजा, दो साल की कैद हो सकती है।

चालक को गोली मारी, खून से लथपथ खुद ही आटो चलाकर थाने पहुंचा

मेरठ। भावनपुर थानाक्षेत्र के गांव अब्दुल्लापुर निवासी 40 वर्षीय सादिक पुत्र सईद जेल चुंगी से अपने गांव तक आटो चलाता है। मंगलवार रात उसने जेल चुंगी से किला रोड स्थित गांव नंगलाशाहू की कुछ यात्रियों को छोड़ने गया था। वहां से वापसी में गांव रुकनपुर भट्ठे सामने पहुंचा तो चार-पांच बदमाशों ने उसके साथ मारपीट की और गाली चला दी।

कंधे में गोली लगने से वह घायल हो गया। बदमाश फरार हो गए। खून से लथपथ सादिक खुद ही आटो चलाकर भावनपुर थाने पहुंचा। थाना प्रभारी कुलदीप सिंह का कहना है कि घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। बदमाशों की तलाश की जा रही है।

नाथ नगरी के रूप में बरेली को मिली नई पहचान, योगी ने किया 2,264 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बरेली में आयोजित एक भव्य समारोह में जिले को 2,264 करोड़ रुपये की 545 विकास परियोजनाओं की सौगात दी। इनमें 1,259 करोड़ रुपये की 222 परियोजनाओं का लोकार्पण और 1,005 करोड़ रुपये की 323 परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बरेली अब 'नाथ नगरी' के रूप में आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और विकास की नई पहचान बना रहा है।मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान 6,000 से अधिक युवाओं को विभिन्न विभागों में नियुक्ति पत्र प्रदान किए और मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत ऋण वितरण और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने की योजनाओं की जानकारी दी।योगी ने कहा कि बाबा अलखनाथ, त्रिवटीनाथ, बनखंडीनाथ, धोपेश्वरनाथ, तपेश्वरनाथ, मणिनाथ और पशुपतिनाथ जैसे सात प्रमुख मंदिरों को जोड़कर नाथ कॉरिडोर विकसित किया जा रहा है। इससे आध्यात्मिक पर्यटन को गति मिलेगी और बरेली की धार्मिक विरासत को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिलेगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि बरेली की पहचान एक समय पर दंगों और माफियाओं से होती थी, लेकिन अब यहां 'वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज', 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' जैसी योजनाओं से विकास की नई इबारत लिखी जा रही है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार जाति, मत और मजहब से ऊपर उठकर काम कर रही है और सभी को योजनाओं का लाभ समान रूप से दिया जा रहा है।उन्होंने बरेली मंडल के सभी जिलों की समीक्षा करते हुए कहा कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ विकास प्राथमिकताओं पर विस्तार से चर्चा की गई है और जल्द ही नई परियोजनाएं शुरू की जाएंगी। यह पूरा क्षेत्र आर्थिक, बुनियादी ढांचे और स्वास्थ्य सेवाओं के मामले में नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा।इस मौके पर मुख्यमंत्री ने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण किया और बच्चों का अन्नप्राशन, गोद भराई और अन्य कल्याणकारी कार्यक्रमों में भी भाग लिया। उन्होंने बरेली की जनता को रक्षाबंधन की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए घोषणा की कि 8, 9 और 10 अगस्त को राज्य की बसों में महिलाओं और उनके एक सहयात्री को निःशुल्क यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।मंच पर वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह, सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर, पर्यावरण राज्यमंत्री डॉ. अरुण सक्सेना, गन्ना मंत्री संजय सिंह गंगवार, सांसद संतोष गंगवार, विधायक अरुण कुमार गंगवार समेत अन्य जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।मुख्यमंत्री ने अपने भाषण में यह भी कहा कि बरेली का इंफ्रास्ट्रक्चर और प्रति व्यक्ति आय अब तेजी से बढ़ रही है। एनएच-24 से शंखा पुल मार्ग का चौड़ीकरण, रामगंगा बाढ़ सुरक्षा परियोजनाएं, श्री अहिच्छत्र पार्श्वनाथ तीर्थक्षेत्र का विकास, यूनानी मेडिकल कॉलेज का लोकार्पण जैसे कार्य बरेली को आगे बढ़ाने में सहायक सिद्ध होंगे।मुख्यमंत्री ने कांवड़ यात्रा के सफल आयोजन और जनता की जागरूकता की सराहना करते हुए कहा कि विरासत और विकास की दिशा में जनसहभागिता ही सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने बरेलीवासियों से आह्वान किया कि वे अपने शहर को देश की अग्रणी नगरी बनाने में योगदान दें।

'एक पौधा जिंदगी के लिए' अभियान का नवां संस्करण संपन्न, 101 बेल पत्र के पौधे वितरित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। बैदेही वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा 'एक पौधा जिंदगी के लिए' अभियान के नवें संस्करण का आयोजन आज लेटे हुए हनुमान जी मंदिर परिसर में किया गया। इस वार्षिक आयोजन के तहत 101 लोगों को बेल पत्र के पौधे भेंट कर उनसे उन्हें जीवनभर संजोने का आग्रह किया गया। यह अभियान पिछले आठ वर्षों से निरंतर जारी है।कार्यक्रम का आयोजन लेटे हुए हनुमान मंदिर के महंत विवेक टंगड़ी के आशीर्वाद व मार्गदर्शन में हुआ। इस दौरान मंदिर के प्रमुख सेवादार श्री टंगड़ी स्वयं पूरे समय उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत प्रसिद्ध भजन गायक व समाजसेवी शशांक भइया ने हनुमान चालीसा से की और भगवान राम के भजनों की मधुर प्रस्तुति से वातावरण भक्तिमय कर दिया।मुख्य अतिथि के रूप में एसएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन प्रवीण सिंह चौहान ने उपस्थिति दर्ज कराई। रोटी कपड़ा फाउंडेशन के अध्यक्ष रिद्धि गौड़ आयोजन की व्यवस्था में प्रमुख भूमिका में नजर आए। विशेष अतिथि अजय त्रिपाठी (मुन्ना भैया) और नागेंद्र बहादुर सिंह चौहान ने पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक मूल्यों पर अपने विचार रखे।कार्यक्रम में डॉ. आदर्श त्रिपाठी, डॉ. राधे श्याम, परवेज अख्तर, अब्दुल वहीद, योगेश भैया, रिद्धि गौड़, कीर्ति श्रीवास्तव, आकांक्षा आनंद, असीम राय, हेम पांडे, अजय अवस्थी, फलाहारी बाबा, वंदना गुप्ता, अभय तिवारी, मयंक दिवाकर, रिचा शर्मा, आलोक पांडे, अनीता वर्मा, डॉ. योगेश विमल, धीरज बिहार, जिया मिश्रा, मीना भारती, सोनी वर्मा, ज्योति मेहरोत्रा, प्रभात सिंह समेत बड़ी संख्या में समाजसेवियों व पर्यावरण प्रेमियों ने सहभागिता की।

योगी सरकार ने दिव्यांगजनों के भरण-पोषण भत्ते में की दोगुनी वृद्धि

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने दिव्यांगजनों की सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिए एक बड़ा निर्णय लिया है। अब दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचालित विशेष विद्यालयों और संस्थाओं में रहने वाले दिव्यांग संवासियों को मिलने वाला भरण-पोषण भत्ता 2000 रुपये प्रतिमाह से बढ़ाकर 4000 रुपये प्रतिमाह कर दिया गया है। यह बढ़ोतरी बुधवार से प्रभावी हो गई है।प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में दिव्यांगजनों के सामाजिक सशक्तीकरण के लिए निरंतर सकारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। भरण-पोषण भत्ते में हुई यह वृद्धि दिव्यांग बच्चों और उनके अभिभावकों के लिए बड़ी राहत साबित होगी। यह केवल आर्थिक सहयोग ही नहीं, बल्कि सरकार की संवेदनशीलता और समर्पण का भी प्रतीक है।

किसानों के हित में योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त : कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बुधवार को कृषि भवन के सभागार में आयोजित विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि किसानों के लिए स्वीकृत बजट का समय पर और पूर्ण उपयोग सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि बीज और कृषि यंत्र किसानों को समय से मिलें, यह योजनाधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।कृषि मंत्री ने उर्वरक की आपूर्ति, भंडारण और वितरण की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रत्येक खाद विक्रय केंद्र की सघन निगरानी की जाए। स्थानीय अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि किसानों को उनकी खतौनी में दर्ज भूमि के अनुसार ही उर्वरक प्रदान किया जाए ताकि जमाखोरी और कालाबाजारी पर प्रभावी रोक लग सके। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा निरंतर खाद की आपूर्ति किए जाने के कारण वर्तमान सत्र में गत वर्ष की तुलना में अब तक 4.84 लाख मीट्रिक टन अधिक खाद की बिक्री हो चुकी है। वर्ष 2024 में जहां 21.57 लाख मीट्रिक टन खाद बिकी थी, वहीं इस वर्ष यह आंकड़ा 26.41 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच गया है।किसानों को वैज्ञानिक खेती की ओर प्रेरित करते हुए कृषि मंत्री ने अपील की कि वे रासायनिक उर्वरकों का सीमित और संतुलित प्रयोग करें, ताकि मिट्टी की उर्वरता और स्वास्थ्य बना रहे। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को बजट व्यय में तेजी लाने के निर्देश देते हुए बताया कि अभी तक केवल 20 प्रतिशत बजट खर्च हुआ है, जो संतोषजनक नहीं है। इस पर अधिकारियों को सख्त हिदायत दी गई है कि कार्य में तत्परता लाएं और प्रदर्शन सुधारें। इसके साथ ही उन्होंने अधिकारियों की दक्षता बढ़ाने के लिए ब्रेन स्टॉर्मिंग कार्यशालाएं आयोजित करने के निर्देश दिए।आगामी रबी सीजन की तैयारी को लेकर भी कृषि मंत्री ने विभाग को अभी से कार्ययोजना तैयार करने को कहा। उन्होंने गन्ना विभाग के साथ समन्वय बनाकर गन्ना, मक्का, चना, मटर, अलसी, मसूर और सरसों जैसी सह-फसली खेती को बढ़ावा देने की बात कही। फार्म स्कूल के तहत किसानों को नई तकनीकों का प्रशिक्षण दिए जाने पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यशाला में न्यूनतम 25 किसानों की भागीदारी अनिवार्य होगी और इसकी वीडियो तथा फोटोग्राफी कराई जाएगी।धान की बुवाई की स्थिति की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि अब तक प्रदेश में 6741.95 हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल पर धान की बुवाई पूरी हो चुकी है, जो कृषि विभाग की सक्रियता को दर्शाता है।इस समीक्षा बैठक में प्रमुख सचिव कृषि रवीन्द्र, सचिव इन्द्र विक्रम सिंह, विशेष सचिव टी.के. शिबू, ओ.पी. वर्मा, निदेशक कृषि डॉ. पंकज कुमार त्रिपाठी, निदेशक सांख्यकीय सुमिता सिंह समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

अयोध्या में तीन दिवसीय 'श्रीराम की राखी' महोत्सव सम्पन्न, मंत्री बेबी रानी मौर्य और संतों ने की सहभागिता

लखनऊ। अयोध्या के पर्यटक ग्राम शेरवाघाट स्थित श्री श्रृंगी ऋषि आश्रम में 6 से 8 अगस्त तक तीन दिवसीय 'श्रीराम की राखी' महोत्सव का भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ। इस आयोजन का उद्घाटन उत्तर प्रदेश सरकार की बाल विकास एवं महिला कल्याण मंत्री बेबी रानी मौर्य ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति में किया।मंत्री मौर्य ने मां सरयू की आरती और श्री श्रृंगी ऋषि एवं माता शांता जी के समाधि स्थल पर दर्शन कर कार्यक्रम की आध्यात्मिक शुरुआत की। उन्होंने कहा कि राखी केवल भाई-बहन का पर्व नहीं, बल्कि यह परस्पर सुरक्षा, विश्वास और सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने इस आयोजन को भारतीय सभ्यता और परंपराओं की गहराई को अनुभव करने का एक सशक्त माध्यम बताया।

संक्षेप

दहेज हत्या का आरोपित अभियुक्त किया गया गिरफ्तार

लखनऊ। सुशान्त गोल्फ सिटी इलाके में बीते 4 अगस्त को ओमेक्स वाटर स्केप में रहने वाली एक विवाहिता मधु सिंह द्वारा पंखे से दुपट्टे के सहारे लटक कर आत्महत्या किये जाने के मामले में मृतका के पिता फतेह बहादुर सिंह निवासी डी-1360 इन्दिरानगर थाना गाजीपुर जनपद लखनऊ के द्वारा दिनांक 05 .अगस्त 2025 को दर्ज कराए गए मुकदमे के बाद मृतका के पति अनुराग सिंह मूल निवासी ग्राम मंगतखेड़ा थाना पुरवा जनपद उन्नाव हाल पता ओमेक्स वॉटर स्केप थाना सुशान्त गोल्फ सिटी लखनऊ जो कि मर्चेन्ट नेवी में सेकेन्ड ऑफीसर के पद पर नियुक्त है । पुलिस ने बताया कि पीड़ति पिता का आरोप है कि उसकी बेटी मधु सिंह को दहेज के लिए प्रताडित करना व वादी के पुत्री का गर्भपात कराने व दहेज के लिए मार देने के संबंध में मुकदमा दर्ज कराया गया था। जिसे बुधवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

लखनऊ में व्यापार मंडल की पुलिस आयुक्त से बैठक, ई-रिक्शा और ट्रैफिक सहित कई मुद्दों पर उठी मांगें

लखनऊ। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल एवं उत्तर प्रदेश युवा उद्योग व्यापार मंडल की कोर कमेटी के प्रमुख पदाधिकारियों की बैठक आज लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में पुलिस आयुक्त अमरेंद्र सिंह सेंगर के साथ संपन्न हुई। बैठक में व्यापारियों की सुरक्षा, ट्रैफिक व्यवस्था, ई-रिक्शा और अतिक्रमण जैसे कई अहम मुद्दों पर चर्चा की गई।व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री संदीप बंसल ने पुलिस आयुक्त के समक्ष मांग रखी कि लखनऊ के सभी थानों में व्यापारियों को सम्मानजनक व्यवहार मिले, हर माह व्यापारी सुरक्षा प्रकोष्ठ की बैठक नियमित रूप से हो, प्रमुख बाजारों विशेषकर सराफा बाजारों में पुलिस गश्त बढ़े और अवैध ई-रिक्शा हटाए जाएं।बंसल ने यह भी सुझाव दिया कि स्वच्छ और व्यवस्थित लखनऊ के लिए जहां एक बार अतिक्रमण हटाया गया है, वहां उसे दोबारा न लगने दिया जाए। इसके लिए संबंधित थानों को उत्तरदायी ठहराया जाए। साथ ही, उन्होंने समस्त व्यापारियों के साथ मिलकर ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के लिए एक समन्वय बैठक करने का प्रस्ताव भी रखा।पुलिस आयुक्त अमरेंद्र सिंह सेंगर ने संगठन के ज्ञापन को गंभीरता से लेते हुए सभी मांगों पर सहमति जताई। उन्होंने ई-रिक्शा और अतिक्रमण के खिलाफ ठोस कार्रवाई का आश्वासन दिया और कहा कि ट्रैफिक सुधार को लेकर जल्द ही संगठन के साथ एक बैठक आयोजित की जाएगी।

काकोरी में काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव पर निबंध, पोस्टर प्रतियोगिता और तिरंगा वितरण कार्यक्रम आयोजित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव के अवसर पर आज बाबू त्रिलोकी सिंह इंटर कॉलेज, काकोरी में विविध सांस्कृतिक एवं रचनात्मक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। राज्य संग्रहालय, लखनऊ द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में निबंध प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता और 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत तिरंगा वितरण कार्यक्रम प्रमुख आकर्षण रहे, जिनमें विभिन्न विद्यालयों से आए लगभग 300 विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी की।यह आयोजन संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह की प्रेरणा, प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति मुकेश कुमार मेश्राम के मार्गदर्शन तथा राज्य संग्रहालय की निदेशक डॉ. सृष्टि धवन के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का समन्वय सहायक निदेशक डॉ. मीनाक्षी खेमका द्वारा किया गया।काकोरी ट्रेन एक्शन की शताब्दी के अवसर पर आयोजित प्रतियोगिताएं तीन वर्गों—प्राइमरी, जूनियर और सीनियर—में आयोजित की गईं। प्रत्येक वर्ग में पोस्टर एवं निबंध प्रतियोगिता के लिए पाँच-पाँच विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए गए।पोस्टर प्रतियोगिता में नशीरा बानो, मिस्टी वर्मा, विद्या कुशवाहा, शीलम, मुबारिशरा, आफरीन, सादिया, जयराम पाल, मोहम्मद जियाउद्दीन, विशेष कुमार, अंश, रवि वर्मा और शिवा चौरसिया को पुरस्कृत किया गया।

ट्रैफिक सिपाही ने उसके मारपीट का लगाया आरोप

अधिकारियों में कार्रवाई को लेकर असमंजस

» वायरल हुई वीडियो में ट्रैफिक सिपाही ही दे रहा रहा युवक को गाली

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र खुर्दही के पास स्थित जलसा रिसॉर्ट के सामने तैनात ट्रैफिक सिपाही ने एक युवक द्वारा उसके मारपीट व अभद्रता करने का आरोप लगाते हुए शिकायत की गई है। हालांकि वायरल वीडियो में सिपाही द्वारा ही युवक के साथ अभद्रता की जा रही है।जिसके चलते कार्रवाई किसपर की जाए इस बात को लेकर अधिकारी असमंजस में है।

ट्रैफिक में तैनात सिपाही गेंदालाल के अनुसार वह मंगलवार को जलसा रिसोर्ट के सामने ड्यूटी कर रहे तभी एक मनोज नामक व्यक्ति द्वारा उनके साथ मारपीट की गई थी तथा उनकी वर्दी फाड़ दी गई थी। जिसकी शिकायत उन्होंने थाने पर की थी लेकिन उनका आरोप है 24 घण्टे बीत जाने के बाद भी थाने पर एफआईआर नही दर्ज की गई। हालांकि इस घटना का वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें साफ़ साफ देखा व सुना जा सकता है कि सिपाही द्वारा खुद उस व्यक्ति में साथ अभद्रता की जा रही है और उसकी बाइक की चाभी जबरदस्ती निकाली जा रही है। वहीं सूत्रों की माने तो पीड़ति व्यक्ति को पुलिस द्वारा काफी देर तक सुशांत गोल्फ सिटी थाने में बैठाकर रखा गया था लेकिन जब वायलर वीडियो अधिकारियों के संज्ञान में आया तक उसे थाने से छोंड़ दिया गया था। इस मामले कार्रवाई किस पर की जाए इस बात को लेकर अधिकारियों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। हालांकि सहायक पुलिस आयुक्त गोसाईगंज के अनुसार मामले की जांच की जा रही है जो भी गलत होगा उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

एक महीने से अटका रखा काम, बच्चों को हो रही परेशानी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। पीडब्ल्यूडी विभाग के ठेकेदारों व जेई की लापरवाही के चलते पिछले एक माह से नाला निर्माण व सड़क चौड़ी करण के चलते अर्जुनगंज विद्यालय के सामने की स्थित बड़ी ही जर्जर है। विद्यालय के गेट के सामने एक माह से अर्धनिर्मित नाला पड़ा होने के कारण शिक्षकों के साथ बच्चों को काफी दिक्कतें हो रही है। बारिश के कारण कीचड़ होने से बच्चों का आना जाना कठिन हो गया है। विकास खंड सरोजनीनगर का अर्जुनगंज प्राथमिक विद्यालय 1 मुख्य मार्ग पर स्थित है। विद्यालय के शिक्षक बताते है कि बच्चे अक्सर कीचड़ में स्लिप खाकर गिर जाते हैं। महीनेभर से यही हाल है। ठेकेदार व आधा नाला निर्माण के बाद सुधि लेने नही आये। इससे सबसे ज्यादा परेशानी बच्चों को होती हैं।

इंद्रा नहर में डूबे युवक का दूसरे दिन भी नही कुछ पता चल सका

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र में मंगलवार को इंद्रा नहर में डूबे युवक को दूसरे दिन एसडीआरएफ टीम को भी कुछ पता नही चल सका।

गोसाईंगंज क्षेत्र के अमेठी कस्बे का रहने वाला मोहम्मद शादाब मंगलवार की शाम इंद्रा नहर में नहाने के दौरान उसी में डूब गया था।जिसकी तलाश मंगलवार को स्थानीय गोताखोरों द्वारा को गई थी लेकिन अंधेरा हो जाने व नहर में पानी का अधिक बहाव होने के चलते उसका कुछ पता नही चल सका था।इसके बाद बुधवार को मौके पर पहुंची एसडीआरएफ की टीम भी पूरे दिन नहर में शादाब की तलाश करती रही लेकिन देर शाम तक उसका कुछ पता नही चल सका है।इस दौरान शादाब के परिजन व रिश्तेदारों के साथ ही अन्य लोग लगातार घटनास्थल पर मौजूद रहे

शिशु को स्तनपान कराएँ, डायरिया व निमोनिया से बचाएं : डॉ. मजूमदार

विश्व स्तनपान सप्ताह के तहत विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। डायरिया के प्रति जन जागरूकता के लिए विश्व स्तनपान सप्ताह (01-07 अगस्त) के तहत बुधवार को जनपद में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू के सहयोग से आयोजित इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में एएनएम और आशा कार्यकर्ताओं के साथ ही स्वास्थ्य केन्द्रों पर आने वाली गर्भवती और धात्री महिलाएं उपस्थित रहीं।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र आदर्श नगर में आयोजित कार्यक्रम में प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. विश्वजीत मजूमदार ने कहा कि स्तनपान को बढ़ावा देने के लिए ही हर साल एक से सात अगस्त तक विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है। स्तनपान बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास में सहायक बनने के साथ ही डायरिया और निमोनिया जैसी संक्रामक बीमारियों के जोखिम को भी दूर करता है। छह माह का होने तक बच्चे को सिर्फ मां का दूध ही पिलाना जरूरी है क्योंकि बाहर का पेय या खाद्य पदार्थ देने से संक्रमण का जोखिम बना रहता है। मां के दूध में शिशु के लिए पौष्टिक तत्वों के साथ पर्याप्त पानी भी होता है, इसलिए गर्मियों में पानी देने से भी बचना चाहिए। स्तनपान से जहाँ एक ओर शिशु और माँ में लगाव बढ़ता है वहीँ माताओं में स्तन कैंसर का जोखिम भी कम होता है।

इस मौके पर डॉ. रेनू रानी ने कहा कि शिशुओं के लिए मां का दूध अमृत के समान होता है। बच्चे को जन्म के पहले घंटे में मां का पहला पीला गाढ़ा दूध बीमारियों से लड़ने की ताकत देता है। इस अहमियत को स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और देखभाल करने वालों को अच्छी तरह समझना चाहिए और प्रसूता की इसमें मदद करें कि जितना जल्दी हो सके वह प्रसव के बाद बच्चे को स्तनपान कराना शुरू करें और छह माह वह बच्चे को सिर्फ और सिर्फ स्तनपान कराएँ। शहरी सामुदायिक प्रक्रिया प्रबन्धक संतोष कुमार ने सभी आशा कार्यकर्ताओं से कहा कि समुदाय मे स्तनपान के प्रति जन जागरूकता बढ़ाने पर ज़ोर दें।

इस मौके पर नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से फार्मासिस्ट कौशल कुमार, स्टाफ नर्स राजकुमारी, पीएसआई इंडिया से मोहम्मद रिजवान, ममता सैनी व अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे।

दूसरी ओर नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ईएसआई टाउन हाल में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजदुलारी ने महिलाओं को स्तनपान के फायदे बताये। उन्होंने कहा कि छह माह तक सिर्फ और सिर्फ मां का दूध पिलाने से बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और बच्चे का समुचित शारीरिक और मानसिक विकास होता है। उधर कच्ची बस्ती में आयोजित शहरी स्वास्थ्य, स्वच्छता, पोषण दिवस पर भी गर्भवती और धात्री माताओं को स्तनपान के लाभ के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी। इस मौके पर एएनएम निकिता, आशा कार्यकर्ता मीनू और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सुधा शर्मा ने विस्तार से स्तनपान के फायदे के बारे में बताया।

अबकी बार ट्रंप का वार

हाउडी मोदी, नमस्ते ट्रंप, अबकी बार ट्रंप सरकार, माई डियर फ्रेंड इन सबको धता बताते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने देश के हितों का हवाला देते हुए भारतीय आयात पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने का ऐलान कर दिया है। 1 अगस्त की समय सीमा पहले ही तय कर दी गई थी, जिस पर ट्रंप सरकार ने अमल कर दिया। राष्ट्रपति ट्रंप ने दूसरी बार शपथ लेने के साथ ही कुछ बड़े फैसले लिए थे, जिनमें सर्वाधिक चर्चा शुल्क नीति की रही। दुनिया भर के देश अमेरिका पर ज्यादा शुल्क थोपते हैं, जिससे देश को घाटा होता है, लेकिन अब ऐसा नहीं चलेगा, कुछ इस अंदाज में ट्रंप ने अपनी शुल्क नीति का ऐलान किया था। इस बारे में प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान भी उन्होंने बयान दिया था, भारत का नाम लेकर कहा था कि तुम जितना शुल्क हम पर लगाओगे, हम भी उतना ही लगाएंगे। श्री मोदी अपने देश पर हो रहे इस शाब्दिक हमले को चुपचाप सुनते रहे, यह सबने देखा। रुस, चीन, जापान, फ्रांस ऐसे कई देशों ने ट्रंप की नीति की आलोचना की थी। लेकिन भारत में मोदी सरकार की तरफ से इस बारे में खुलकर कभी कुछ नहीं कहा गया। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल इस बीच अमेरिका दौरा कर चुके हैं, लेकिन इससे भी भारत अपने पक्ष में सौदा नहीं करवा सका। ट्रंप ने न केवल शुल्क बढ़ाया है, बल्कि रूस से तेल और रक्षा सौदे करने पर भारत पर जुर्माना भी थोपा है। संदेश साफ है कि ट्रंप केवल अपने देश में ही नहीं, पूरी दुनिया में अपने मनमाफिक व्यापार नियम बनवाना चाहते हैं। अमेरिका को दुनिया का चौधरी क्यों कहा जाता है, ट्रंप उसकी जीती-जागती मिसाल दिखा रहे हैं। ट्रंप से पहले भी अन्य अमेरिकी राष्ट्रपतियों का रवैया ऐसा ही था, लेकिन कम से कम उनमें कूटनीतिक सज्जनता, शिष्टता दिखाने का लिहाज था। ट्रंप ने तो सारे आवरण उठा फेंके हैं। भारत पर जुर्माना लगाने जैसा अपमान ही काफी नहीं है, जो अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रूथ पर ट्रंप ने पाकिस्तान के साथ हुए समझौते का ऐलान करते हुए लिखा कि हमने पाकिस्तान के साथ एक नया समझौता किया है। इसके तहत अमेरिका और पाकिस्तान मिलकर वहां के विशाल तेल भंडार का विकास करेंगे। हम उस तेल कंपनी को चुनने की प्रक्रिया में हैं जो इस पार्टनरशिप का नेतृत्व करेगी। कौन जानता है, शायद एक दिन पाकिस्तान भारत को तेल बेचे। इस पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने भी ट्रंप को धन्यवाद देते हुए लिखा है कि यह ऐतिहासिक समझौता हमारे बढ़ते सहयोग को और मज़बूती देगा, ताकि आने वाले दिनों में हमारी स्थायी साझेदारी के दायरे को और विस्तार दिया जा सके। अमेरिका और पाकिस्तान की यह नजदीकी पहलगाम हमले के बाद और ज्यादा देखने मिल रही है, क्या मोदी सरकार को यह भी नजर नहीं आ रहा है।

पाकिस्तान ने ट्रंप का आभार मानने की ऐसी ही तत्परता तब भी दिखाई थी जब ट्रंप की तरफ से युद्धविराम का ऐलान हुआ था। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तब भी चुप थे और अब भी वे चुप हैं। कम से कम इन पंक्तियों के लिखे जाने तक तो नरेन्द्र मोदी की तरफ से ऐसा कोई वक्तव्य नहीं आया है, जिसमें उन्होंने शुल्क थोपे जाने या पाकिस्तान के साथ हुए समझौते को लेकर कुछ कहा हो। श्री मोदी की चुप्पी के पीछे दो ही कारण हो सकते हैं, या तो उन्हें विदेश नीति, अर्थनीति और कूटनीति की अपनी कोई समझ ही नहीं है, अथवा श्री मोदी के लिए ट्रंप से निज संबंध देशहित से ऊपर हैं, इसलिए देश का अपमान और घाटा होने के बावजूद वो कुछ बोल नहीं रहे हैं। इन दो के अलावा एक कारण यह भी हो सकता है कि सब जानने-समझने के बावजूद नरेन्द्र मोदी देश के चुनिंदा उद्योगपतियों के फायदे को देखते हुए चुप हैं। अमेरिका की अदालत में गौतम अडानी समेत उनके समूह के कुछ लोगों पर धोखाधड़ी और रिश्वत के आरोप में मामला दर्ज है। अडानी समूह इन आरोपों से इंकार करता रहा है। ऐसे में सवाल उठने लाजिमी हैं कि देश नहीं झुकने दूंगा, देश नहीं बिकने दूंगा जैसे नारे लगाते-लगाते नरेन्द्र मोदी ने क्या देश के साथ कोई बड़ा खिलवाड़ कर दिया है। डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रूथ सोशल मीडिया पर भारत और रूस की अर्थव्यवस्था को मृत बताते हुए यह भी कहा है कि उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता है कि रूस के साथ भारत क्या करता है। ट्रंप के इस बयान से अब मोदी के लिए धर्मसंकट और बढ़ गया है। अगर नरेन्द्र मोदी भारत की अर्थव्यवस्था पर ऐसी टिप्पणी के बावजूद ट्रंप के खिलाफ कोई बयान नहीं देते हैं तो इसका मतलब यही है कि वे भी ट्रंप की बातों से सहमत हैं। और अगर वे ट्रंप को कोई जवाब देते हैं, तब उनकी मित्रता निभाने पर संकट आ सकता है। दोनों ही सूरतों में ट्रंप ने नरेन्द्र मोदी को फंसा दिया है। यह बात इतनी बढ़ती ही नहीं अगर नरेन्द्र मोदी शुरु से उसी विदेश नीति का पालन करते, जो नेहरूकाल में बनी है और जिसकी वजह से विकासशील होने के बावजूद वैश्विक शक्तियों के बीच भारत की अपनी साख बनी रही। भारत कई क्षेत्रों में अमेरिका, रूस, जापान, चीन आदि से पिछड़ा रहा है, लेकिन बावजूद इसके कभी किसी देश ने इस तरह भारत का अपमान करने की कोशिश नहीं की, जैसी अभी हो रही है। नरेन्द्र मोदी से पहले सभी भारतीय प्रधानमंत्रियों ने विदेश नीति, रक्षा नीति, व्यापार नीति को पार्टी या व्यक्ति हित से ऊपर रखकर एक समान अपनाया।

ध्वस्त हुआ एक और झूठा नैरेटिव

मालेगाँव विस्फोट मामले में भी ऐसा ही प्रयास किया गया। इसका एक कारण कांग्रेस की वह मानसिकता है, जिसके तहत कांग्रेस को नेतृत्व देने वाले राजनेता केवल यही सोचते हैं कि हम तो सरकार चलाने के लिए ही बने हैं। आज भी कांग्रेस के नेता इसी भावना के साथ विचार रखते हैं।

सुरेश हिंदुस्तानी

भारत में स्वार्थी राजनीति का खेल यूँ तो बहुत पुराना है, लेकिन ऐसी राजनीति जनमानस को केवल भ्रमित करने का काम ही करती है। यह भी सत्य है कि इसका प्रभाव लम्बे समय तक नहीं रहता। राजनीति सच की होना चाहिए, न कि झूंठ की। लेकिन आज विसंगति यह है कि राजनीतिक दल केवल अपने लिए ही राजनीति करते हैं, देश के लिए नहीं। आज राजनीति का उद्देश्य केवल सत्ता प्राप्त करने तक सीमित हो गया है। ऐसी ही राजनीति के माध्यम से हिन्दू आतंकवाद की थ्योरी स्थापित करने का खेल खेला गया। अब इस षड्यंत्र की परतें भी उधड़ने लगी हैं। जिसके फलस्वरूप फेक नैरेटिव का पर्दाफास हो गया।

भारत क्या है और उसकी विरासत क्या है? इसके मूल में जो प्रमाण मिलते वे उसका एक दर्शन है। यह दर्शन मात्र कुछ वर्षों का कार्य नहीं, बल्कि एक लम्बी साधना के बाद निकला है। जो भारतीय समाज के लिए एक प्रेरणीय पाथेय है। लेकिन लम्बे समय से इस आदर्श विरासत को मिटाने का कुचक्र भी चल रहा है। हम यह भली भांति जानते हैं कि जब जब भारतीय समाज विघटित हुआ है, तब भारत को कमजोर करने के सुनियोजित प्रयास भी किए। देश विघातक शक्तियों ने भारत के समाज में फूट डालकर अपने मंसूबों को सफल किया। ऐसे प्रयास आज भी हो रहे हैं। मूल समस्या पर किसी प्रकार का कोई चिंतन नहीं हो रहा है, और न ही उस दिशा में कोई प्रयास ही हो रहा है।

अभी अभी न्यायालय ने मालेगाँव विस्फोट मामले में एक ऐतिहासिक निर्णय दिया है। जिसमें हिन्दू आतंकवाद के नैरेटिव को ध्वस्त किया गया। इस नैरेटिव की भूमिका पूरी तरह से आधारहीन ही थी। न्यायालय के निर्णय से यह ज्ञात हुआ कि इसमें जिनको आरोपी बनाया गया, उनके विरोध में पर्याप्त प्रमाण नहीं थे, ज़ब प्रमाण ही नहीं थे, तब इस मामले में गिरफ्तार करने की जल्दबाजी किसके संकेत पर की गई। यह बहुत बड़ा षड्यंत्र ही था, जिसकी कलई धीरे धीरे खुलने लगी हैं। एक पूर्व अधिकारी का बयान इसकी पुष्टि करने के लिए पर्याप्त माना जा सकता है। हिन्दू समाज को बदनाम करने का यह षड्यंत्र केवल एक वर्ग को ख़ुश करने प्रयास मात्र ही था। राजनीतिक दलों को हमेशा अपने स्वार्थ के लिए ही राजनीति नहीं करना चाहिए। राजनीति मात्र देश को शक्तिशाली और समाज को संगठित करने के लिए होना चाहिए। यहां एक सवाल खड़ा करना मुझे बहुत आवश्यक लग रहा है। क्या देश के लिए काम करने की जिम्मेदारी केवल सरकार की ही होती है? विपक्ष और समाज की भी होती है। अगर सभी एक भाव से समाज को एक करने का कार्य करें तो भारत का सूर्य केवल भारत को ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व को आलोकित करेगा, यह तय है।

मालेगाँव विस्फोट मामले में षड्यंत्र की बुनियाद किसने की, इस सवाल का उत्तर पहले से वातावरण में तैर रहा था। कांग्रेस के बड़े नेताओं ने हिन्दू आतंकवाद की झूठी कहानी की पटकथा तैयार की। अब सवाल यह उठता है कि रामराज्य की संकल्पना को ज़मीन पर उतारने का सपना देखने वाले महात्मा गांधी के नाम पर राजनीति करने वाली कांग्रेस के सामने ऐसी क्या मजबूरी थी कि उसने हिन्दू आतंकवाद का प्रपंच रचा। इसका पहला कारण तो यही समझ में आता है कि यह सब एक विशेष वर्ग को खुश करने का प्रयास मात्र ही था। कांग्रेस की ऐसी राजनीति करने वाले एक प्रकार से कांग्रेस को ही कमजोर करने का काम कर रहे हैं। हमें यह भी याद होगा कि एक बार कांग्रेस की सरकार के समय भगवान श्रीराम के अस्तित्व को नकारने का प्रयास किया गया। उस समय हिन्दू समाज की जाग्रति के समक्ष कांग्रेस को झुकना पड़ा और सरकारी स्तर पर किए गए प्रयास पर पूरी तरह से पानी फिर गया।

मालेगाँव विस्फोट मामले में भी ऐसा ही प्रयास किया गया। इसका एक कारण कांग्रेस की वह मानसिकता है, जिसके तहत कांग्रेस को नेतृत्व देने वाले राजनेता केवल यही सोचते हैं कि हम तो सरकार चलाने के लिए ही बने हैं। आज भी कांग्रेस के नेता इसी भावना के साथ विचार रखते हैं। उन्हें यह लगता ही नहीं है कि देश में अब कांग्रेस की सरकार नहीं है और देश में राजनीतिक परिवर्तन हो चुका है। कांग्रेस को यह आत्म मंथन करना चाहिए कि देश की जनता क्या चाहती है। क्योंकि जनता ने ही कांग्रेस को सता से बेदखल किया है। भारत का लोकतंत्र यही कहता है कि देश में जनता का शासन है। जनता का शासन मतलब किसी दल की सरकार नहीं, वह जनता की सरकार है, लेकिन हमारे राजनीतिक दल इसको राजनीतिक दल की सरकार मानकर व्यवहार करते हैं। कांग्रेस को यह समझना चाहिए कि जब जनता की सरकार है, तब सरकार का विरोध करने का अर्थ जनता का ही विरोध है। आज जनता इतनी समझदार हो चुकी है कि उसे पल पल की जानकारी है, इसलिए कुछ समय के भ्रमित किया जा सकता है, लेकिन भ्रम से जब परदा उठता है तो इसके पीछे एक षड्यंत्र का खेल दिखाई देता है। मालेगांव मामले में कुछ बयानों को आधार बनाया जाए तो यही कहा जा सकता है कि इसमें और भी प्रभावी व्यक्तियों को फसाने की तैयारी भी हो रही थी, इसकी भूमिका भी बन चुकी थी, लेकिन कांग्रेस का यह सपना इसलिए पूरा नहीं हो सका, क्योंकि जिनको आरोपी बनाया गया उन्होंने प्रताड़ना सहने के बाद भी उनके मन मुताबिक बयान नहीं दिए। यहां एक और बात का उल्लेख करना बहुत आवश्यक हो जाता है कि कांग्रेस के नेता असली आतंकवाद पर बोलने से हमेशा किनारा करते हैं। इतना ही नहीं कभी कभी तो कांग्रेस के नेता आतंकियों के समर्थन में सम्मान पूर्वक बात करते हैं। इनको केवल सनातन से चिढ़ है। आज जब सनातन अपने उभार पर है, तब इनकी चिंता और ज्यादा बढ़ रही है।

भारत में राजनीति की दशा और दिशा क्या होना चाहिए, यह तय करने का समय आ गया है। कांग्रेस को इस सत्य को स्वीकार करना चाहिए। दूसरी बात यह है कि भारत को भारत के दृष्टिकोण से देखने की आवश्यकता है। जहाँ समाज में भेद नहीं होना चाहिए। क्योंकि भारत में जितने भी धर्म और संप्रदाय के व्यक्ति रहते हैं, वे सभी पहले भारतीय हैं, जाति धर्म बाद की बातें हैं। इसलिए राजनीति समाज को एक सूत्र में बाँधने की होना चाहिए, विभाजन की नहीं।

अजब-गजब

राक्षस जैसे दांत, मोती जैसी आंखें ; 3000 मीटर गहरे समंदर में रहता है ये खौफनाक जीव !

इंटरनेट पर एक ऐसे डरावने समुद्री जीव का वीडियो सामने आया है, जिसे देखकर किसी की भी रूह कांप जाए। इस जीव के दांत किसी राक्षस जैसे तीखे और नुकीले हैं, लेकिन इसकी आंखें मोतियों जैसी चमकदार हैं। वैज्ञानिकों इसे 'टेलीस्कोप फिश' नाम दिया है, क्योंकि यह अपनी मोतियों जैसी बड़ी-बड़ी आंखों से शिकार को दूर से ही पहचान लेता है।

वैज्ञानिकों के अनुसार, इस जीव की आंखों में बायो-लुमिनेंस की खास क्षमता होती है। यह जीव अपनी आंखों से रोशनी पैदा कर सकता है कि वह समुद्र के घने अंधेरे में भी दूर तक आसानी से देख सकता है। यह जीव 500 से 3000 मीटर की गहराई में रहता है।

टेलीस्कोप फिश अपनी ट्यूब जैसी आंखों में रोशनी जमा कर सकती है, जिससे इसे शिकार खोजने में मदद मिलती है। इसका शरीर लंबा और पतला होता है, जिसका रंग सफेद और भूरा होता है। वायरल हो रहे इस वीडियो में टेलीस्कोप फिश की गुब्बारे जैसी आंखें और तेज दांत साफ तौर पर दिख रहे हैं, जो इसे बहुत डरावना बना रहे हैं।

इस अनोखे समुद्री जीव का वीडियो एक्स (पहले ट्विटर) पर @gunsnrosesgirl3 नामक हैंडल से शेयर किया गया है, जिसे अब तक दो करोड़ से ज्यादा बार देखा जा चुका है। इसे देखकर नेटिजन्स हैरान और सहमे हुए हैं।

वैज्ञानिकों ने टेलीस्कोप फिश की खोज को बेहद रोमांचक बताया है। उनका मानना है कि इस तरह के जीवों की खोज समुद्र की गहराइयों में छिपे और भी कई रहस्य का पता चल सकता है।

ब्लॉग

पश्चिम के आगे झुकने का युग समाप्त, ट्रंप की धमकी पर भारी पड़ेगी मोदी की कूटनीति

नीरज कुमार दुबे

प्रधानमंत्री मोदी के लिए यह चुनौती केवल बाहरी नहीं है। देश के भीतर कांग्रेस जैसे विपक्षी दल उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से निकटता पर तंज कस रहे हैं। "माई फ्रेंड डोनाल्ड" जैसे वाक्य अब राजनीतिक व्यंग्य बन चुके हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज एक जटिल कूटनीतिक और राजनीतिक परिस्थिति का सामना कर रहे हैं। एक ओर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत को रूस से तेल खरीदने के लिए शुल्क बढ़ाने और दंडात्मक कार्रवाई की धमकी दे रहे हैं, वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी भारत-रूस ऊर्जा साझेदारी को मजबूती से बनाए रखना चाहते हैं। इसके पीछे सिर्फ आर्थिक कारण नहीं, बल्कि एक व्यापक भू-राजनीतिक संदेश भी है कि पश्चिम के सामने झुकने का युग अब समाप्त हो चुका है।

देखा जाये तो मोदी सरकार वैश्विक मंचों पर ग्लोबल साउथ की आकांक्षाओं की प्रतिनिधि बनकर उभरी है। यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी प्रतिबंधों और नैतिक उपदेशों के बावजूद भारत ने रूस के साथ अपने हितों को स्वतंत्र रूप से साधने की नीति अपनाई। यह वही "रणनीतिक स्वायत्तता" है, जिसकी बात भारत दशकों से करता आया है, पर जिसे आज व्यवहार में लाने का साहस शायद पहली बार किसी सरकार ने इस हद तक दिखाया है। प्रधानमंत्री मोदी के लिए यह चुनौती केवल बाहरी नहीं है। देश के भीतर कांग्रेस जैसे विपक्षी दल उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से निकटता पर तंज कस रहे हैं। "माई फ्रेंड डोनाल्ड" जैसे वाक्य अब राजनीतिक व्यंग्य बन चुके हैं। कांग्रेस यह सवाल उठा रही है कि अगर अमेरिका से घनिष्ठता इतनी ही प्रभावशाली थी, तो भारत को टैरिफ धमकी क्यों झेलनी पड़ रही है? देखा जाये तो यह आलोचना राजनीतिक रूप से स्वाभाविक है, पर इसमें कूटनीतिक यथार्थ की गहराई को नजरअंदाज किया जा रहा है। भारत आज आर्थिक, सामरिक और राजनीतिक दृष्टि से एक उभरती शक्ति है और ऐसे में विश्व के साथ उसकी मोल-भाव करने की शैली भी बदली है। मोदी जिस भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, वह न केवल अपने हितों की रक्षा करना जानता है, बल्कि विकल्पों का निर्माण भी कर रहा है— जैसे BRICS+ का मंच, ऊर्जा विविधता की दिशा में कदम और नए व्यापारिक सहयोग।

इसके अलावा, "मोदी है तो मुमकिन है" सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि इस समय एक परीक्षण की कसौटी बन चुका है। प्रधानमंत्री को अब यह साबित करना है कि वह पश्चिम के दबाव को संतुलित करते हुए, रूस से रिश्ते बनाए रखते हुए और विपक्ष की आलोचनाओं को दरकिनार करते हुए भारत को एक स्वाभिमानी, आत्मनिर्भर और वैश्विक नेता के रूप में उभार सकते हैं। देखा जाये तो इस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए मोदी को तीन स्तरों पर निर्णायक पहल करनी होगी- 1. अमेरिका के साथ संवाद बनाए रखते हुए, ट्रेड वार को टालना होगा और भारत की रणनीतिक स्वायत्तता की स्पष्ट पैरवी करनी होगी। 2. घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना होगा ताकि आयात और शुल्क जैसे हथियारों का असर सीमित हो और ऊर्जा आपूर्ति में विविधता भी लानी होगी। 3. आंतरिक एकता और विपक्ष के प्रहारों का उत्तर तथ्यों और नीतिगत पारदर्शिता से देना होगा, ताकि राष्ट्रीय हित सर्वोपरि दिखाई दे।

देखा जाये तो यह वह घड़ी है जब प्रधानमंत्री मोदी को नेतृत्व के अपने सबसे कठिन अध्याय में प्रवेश करना पड़ा है। लेकिन यदि वे इस दौर को सफलता से पार कर जाते हैं, तो यह केवल उनकी नहीं, बल्कि एक नए भारत की विजय होगी— जो दबाव में नहीं झुकता, हितों की रक्षा करता है और दुनिया को सम्मान के साथ संवाद करना सिखाता है। और तब शायद 'मोदी है तो मुमकिन है' सिर्फ चुनावी नारा नहीं, अंतरराष्ट्रीय राजनीति का यथार्थ भी बन जाएगा।

जहां तक ताजा घटनाक्रमों की बात है तो आपको बता दें कि भारत ने रूस से कच्चे तेल की खरीद पर अमेरिका और यूरोपीय संघ की आलोचना को सख्ती से खारिज कर दिया है। भारतीय विदेश मंत्रालय द्वारा जारी किये गए वक्तव्य में साफ तौर पर कहा गया है कि रूस से आयात ऊर्जा की कीमतों में स्थिरता को बनाये रखने के लिए उठाया गया कदम है। विदेश मंत्रालय ने यह भी उजागर किया है कि अमेरिका और यूरोप स्वयं अभी भी रूस से उर्वरक, खनिज, रसायन, यूरेनियम और एलएनजी जैसी सामग्रियों का भारी व्यापार कर रहे हैं। भारत का यह तर्क एकदम सही है कि जब तक अमेरिका और यूरोपीय संघ स्वयं रूस के साथ व्यापार संबंध समाप्त नहीं करते, तब तक भारत को नैतिकता के कठघरे में खड़ा करना न केवल दोहरा मापदंड है, बल्कि 'अनुचित और अविवेकपूर्ण' भी।

दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर शुल्क बढ़ाने और रूसी तेल की खरीद पर दंडात्मक कार्रवाई की धमकी को विशेषज्ञ अमेरिका की घरेलू राजनीति और आगामी चुनावों से जोड़कर देख रहे हैं। हम आपको बता दें कि ट्रंप ने भारत पर आरोप लगाया है कि वह रूस से सस्ता तेल खरीदकर उसे ऊँचे दामों में बेचकर लाभ कमा रहा है, साथ ही यूक्रेन युद्ध में नैतिक दृष्टिकोण नहीं अपना रहा। किंतु यह आरोप राजनीतिक बयानबाज़ी अधिक लगता है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में पुनः बिक्री और रिफाइनिंग एक सामान्य प्रक्रिया है, जिसे कई देश अपनाते हैं। देखा जाये तो ट्रंप द्वारा शुल्क बढ़ाने की घोषणा एक तरफ भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता को प्रभावित करने का प्रयास है, तो दूसरी ओर इसे अमेरिका के कृषि और डेयरी उद्योग के समर्थन में लॉबिंग के रूप में भी देखा जा सकता है।

वहीं, रूस ने इस पूरे घटनाक्रम को अमेरिका की 'नव-उपनिवेशवादी' नीति का उदाहरण बताया है। क्रेमलिन का यह दावा कि अमेरिका अपने प्रभुत्व को बनाए रखने के लिए ग्लोबल साउथ पर आर्थिक दबाव बना रहा है, इस बात की पुष्टि करता है कि रूस अमेरिका की एकध्रुवीय विश्व व्यवस्था को चुनौती देना चाहता है।

बहरहाल, भारत जिस रणनीतिक स्वायत्तता की बात करता आया है, उसका असली परीक्षण ऐसे ही समय में होता है जब उसे पश्चिमी दबावों, वैश्विक व्यापारिक हितों और घरेलू राजनीतिक आलोचनाओं के बीच संतुलन साधना हो। अमेरिका और यूरोपीय देशों को समझना होगा कि रूस से तेल खरीद केवल व्यापारिक सौदा नहीं, बल्कि भारत की एक आत्मनिर्भर और व्यावहारिक विदेश नीति का प्रतीक भी है।

'कार्यालय से बाहर जाइए': सांसद इकरा हसन से अभद्रता मामले की जांच पूरी...अफसर को क्लीन चिट

आर्यावर्त संवाददाता

सहारनपुर। कैराना सांसद इकरा हसन की तरफ से फरवरी माह में की गई सदर तहसील के तत्कालीन एसडीएम की शिकायत के मामले में जांच पूरी हो गई है। जांच में एसडीएम की तरफ से अवैध कब्जे की कार्रवाई को निष्पक्ष बताते हुए उन्हें क्लीन चिट दी गई। अभद्रता का मामला भी साबित नहीं हो सका।

हालांकि इस रिपोर्ट के बाद मंडलायुक्त की तरफ से सभी अधिकारियों को आदेश जारी किए गए हैं कि जनप्रतिनिधियों के साथ सम्मानजनक व्यवहार करें। वहीं, सांसद इकरा हसन ने पिछले दिनों एडीएम प्रशासन की तरफ से किए गए अभद्र व्यवहार का मामला संसद में उठाया है। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि उनके साथ अभद्र व्यवहार किया गया था और कार्यालय से बाहर

जाने के लिए कहा था। इस मामले में अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। बता दें, कि सांसद इकरा हसन ने मंडलायुक्त को शिकायत भेजी थी, जिसमें बताया था कि वह छुटमलपुर चेयरपर्सन के साथ एडीएम कार्यालय पहुंचीं थीं। वहां पर एडीएम का व्यवहार अशोभनीय था।

मंडलायुक्त के आदेश पर हुई जांच

मंडलायुक्त ने इस मामले में डीएम को जांच के आदेश दिए। डीएम के आदेश पर एडीएम वित्त एवं राजस्व ने मामले की जांच की। जांच पूरी होने के बाद मंडलायुक्त के पास पूरे मामले की रिपोर्ट पहुंची। इसमें बताया गया कि तालाब पर अवैध कब्जे की शिकायत पर कार्रवाई की गई थी।

जांच में आया कि मकान नहीं गिराया गया, बल्कि तालाब की जगह दीवार बनाकर अस्थाई अवैध कब्जा किया गया था, जिसमें गेहूं व चारा काटने की मशीन खड़ी थी। उन्हें बाहर निकलवाकर अतिक्रमण हटवाया गया। जांच में आया कि तालाब की भूमि से नियमानुसार व निष्पक्ष रूप से कार्रवाई करते हुए अवैध कब्जा हटवाया गया। इसके साथ ही सांसद के साथ फोन पर उनकी गरिमा के अनुरूप मर्यादित भाषा का प्रयोग किया गया। उधर, मंडलायुक्त अटल कुमार राय ने बताया कि सभी अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि जनप्रतिनिधियों के मर्यादित एवं सम्मानजनक व्यवहार करें।

ये हुई थी शिकायत

कैराना सांसद इकरा हसन की तरफ से फरवरी में मंडलायुक्त के यहां पर उस समय सदर एसडीएम रहे अंकुर वर्मा को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी। इसमें बताया था कि गांव बरथा कायस्थ में तालाब पर अतिक्रमण हटाने के दौरान प्रभावित परिवार ने दो दिन की मोहलत मांगी थी, लेकिन एसडीएम ने दो घंटे की मोहलत दी और फिर मकान को गिरवा दिया। सांसद का आरोप था कि इस संबंध में एसडीएम से फोन पर वार्ता हुई। आरोप है कि एसडीएम ने व्यंगात्मक टिप्पणी करते हुए कहा कि सांसद महोदय, आप कैसे लोगों की सिफारिश करते हैं। यहां तक मकान गिराने के बाद पीड़ित परिवार पर मुकदमा भी दर्ज करा दिया गया।

नवागत लेखाधिकारी का स्वागत कर महासंघ पदाधिकारियों ने रखी शिक्षकों की समस्याएं

आर्यावर्त संवाददाता

मीरजापुर। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ जिला इकाई मीरजापुर के जिलाध्यक्ष राजनाथ तिवारी एवं महामंत्री सत्यव्रत सिंह चंदेल के नेतृत्व में शिक्षको का एक प्रतिनिधिमंडल बुधवार को नवागत वित्त एवं लेखाधिकारी (बेसिक) यादव सुनील कुमार भारत से मुलाकात कर उनका स्वागत किया।

इस दौरान जिलाध्यक्ष राजनाथ तिवारी ने उनके समक्ष शिक्षको की विभिन्न समस्याओ को रखा। प्रमुख रूप से चयन वेतनमान एवं प्रोन्नत वेतनमान लगाए जाने, अंतरजनपदीय स्थानांतरण मे जिले मे आए 162 शिक्षको का वेतन निर्गत करने एवं पुरानी पेंशन के लिए जो विकल्प पत्र जमा हुए हैं, उन पर कार्यवाही के लिए वार्ता हुआ। तत्पश्चात जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के नाम पत्रक सौंपकर उपरोक्त समस्याओ/मांगो के निस्तारण की अपेक्षा की गयी। पत्रक मे कहा है कि जनपद में ढेर सारे शिक्षक अपनी 10 वर्ष की निर्वाध सेवा पूर्ण बनने के बाद चयन वेतनमान प्राप्त करने के पात्र है परतु अभी तक जनपद के किसी भी शिक्षक को चयन वेतनमान नहीं दिया जा सका है। चयन वेतनमान देने के संबंध में ऑनलाइन कार्यवाही करने का प्रावधान किया गया है: परतु जनपद मिर्जापुर में अभी तक इस संबंध में कोई कार्यवाही प्रारभ नहीं की गई है। जबकि कुछ अन्य जनपदों में शिक्षकों को ऑफलाइन चयन वेतनमान प्रदान कर दिया गया है। ऐसे मे जनपद के पात्र शिक्षकों को यथाशीघ्र चयन वेतनमान प्रदान किया जाना आवश्यक है। साथ ही 162 शिक्षक जो अंतरजनपदीय स्थानांतरण मे आए है उनका वेतन न लग पाने से उन्हे दिक्कत हो रही है। वेतन अतिशीघ्र लगाया जाना भी आवश्यक है। इसके अलावा पुरानी पेंशन के लिए पूर्व मे जिन शिक्षको ने विकल्प पत्र जमा किया है, उस पर भी कार्यवाही नही हो सकी है। उस पर भी यथाशीघ्र कार्यवाही की अपेक्षा है।

इस दौरान जिलाध्यक्ष राजनाथ तिवारी, जिला महामंत्री सत्यव्रत सिंह चंदेल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष वीरभानु सिंह, जिला कोषाध्यक्ष मनोज शुक्ला, जिला संगठन मंत्री अनिल कुमार त्रिपाठी, जिला मीडिया प्रभारी विमलेश अग्रहरि, राकेश मौर्या, लक्ष्मीनारायण विश्वकर्मा, कमलेश गिरी, प्रदीप तिवारी, सुनील सिंह, राजेश मौर्या, मुकेश, जितेंद्र सिंह, सुरेन्द्र राय,राम प्रकाश दूबे आदि मौजूद रहे।

सपा का प्रतिनिधिमंडल पहुंचा बजहां व शिउर गांव

आर्यावर्त संवाददाता

मीरजापुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव जी के निर्देशानुसार व जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी के मार्गदर्शन में समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल कछवां थानान्तर्गत बजहां प्रेम का पुरा गांव पहुँचा। जहाँ प्रीतम व गणेश की पानी में डूबने से मौत हो गई थी। प्रतिनिधिमंडल गाँव पहुंचकर पीड़ित परिजनों से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त किया। शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में पूर्व सांसद रमेश चन्द्र बिन्द, प्रदेश सचिव दामोदर प्रसाद मौर्य, झल्लू यादव, सौरभ सिंह, भूप नारायण यादव, ऋषि नारायण उपाध्याय आदि रहें। वहीं अहरौरा था ना न्त र्गत प्रतिनिधिमंडल शिउर गांव पहुंचा। जहां लक्ष्मण पाल की धारदार हथियार से लूटेरों ने उनकी हत्या कर 80 बकरियों को लूट लिया था। प्रतिनिधिमंडल पीड़ित के घर जाकर शोक संवेदना व्यक्त किया और कहा कि हत्यारों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाय। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष मड़हिान शैलेष पटेल, रविप्रकाश त्रिपाठी, मुमताज अहमद, सन्तबीर मौर्या, कमलेश पाठक, राजहंस बहेलिया, विजय यादव आदि शामिल रहें।

10वीं पास युवक ने अल्ट्रासाउंड जांच में जिंदा नवजात को बताया मृत, बोला– आबर्शन करा लो ; बांदा में फर्जी डायग्नोस्टिक लैब का खुलासा

आर्यावर्त संवाददाता

बांदा। उत्तर प्रदेश के बांदा जनपद में पैथालॉजी के नाम पर हो रही है धांधली का भंडाफोड़ हुआ है। यहां चल रहे डायग्नोस्टिक लैब बिना किसी रेडियोलॉजिस्ट के चलाये जा रहे हैं। इन लैब को चलाने वाले हाईस्कूल पास लड़के है, जो बिना किसी डॉक्टर की मौजूदगी के लोगों का चेकअप करते हैं। यह मामला तब सामने आया जब एक लैब ने गर्भावस्था में एक महिला के शिशु के मृत्यु की रिपोर्ट दे दी। जबकि दूसरी जगह अल्ट्रासाउंड करने पर बच्चा जीवित है और उसकी धड़कन ठीक है।

इस पर ,पीड़ित के परिजन ने जिलाधिकारी से मिलकर ऐसे डायग्नोस्टिक सेंटरों को सील लगाने की अपील की और इन पर मेडिकल एक्ट के तहत मुकदमा चलाए जाने की बता कही। उनका कहना था की वे लोगों के जीवन के साथ खिलवाड़ कर रहे है। इनके पास कोई

रेडियोलॉजिस्ट डॉक्टर नहीं है। ये लोग फर्जी डॉक्टरों की डिग्री लगाकर दुकान चला रहें है। ऐसे लोगों को सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए, ताकि आने वाले समय में लोगों को इसका शिकार होने से बचाया जा सके।

हाईस्कूल किये लोग चला रहे डायग्नोस्टिक लैब

दरअसल बांदा जनपद चित्रकूट धाम मंडल का मुख्यालय है। वर्तमान समय में यहां मेडिकल कॉलेज जिला अस्पताल है। इसकी वजह से सैकड़ों डायग्नोस्टिक सेंटर बांदा मुख्यालय एवं तहसीलों में खुल गये है। इनमें कोई भी रेडियोलॉजिस्ट नहीं बैठता क्योंकि इतनी ब्रांच बनाई गई है कहां-कहां रेडियोलॉजिस्ट पहुंचेगा। इन पर काम करने वाले लोग हाई स्कूल पास-फेल, इंटर और ग्रेजुएशन किए हुए लोग हैं। उनका मेडिकल पैथोलॉजी का कोई ज्ञान नहीं है। इसी के चलते बुंदेलखंड डायग्नोस्टिक सेंटर में एक अजीबोगरीब घटना सामने आई है।गलत रिपोर्ट के साथ गर्भपात की सलाह मामले में जिला कलेक्टर जे रीभा के पास पीड़िता का पति शिव प्रताप सिंह ग्राम महोखर ने कुछ ग्रामीण और भाजपा के मंडल उपाध्यक्ष के साथ एक शिकायत पत्र देकर अपनी आपबीती सुनाई। इस दौरान उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी ने गर्भवती होने के दौरान बुंदेलखंड डायग्नोस्टिक सेंटर पर चेकअप कराया था। इस दौरान अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट में लैब ने गर्भ में पल रहे नवजात को मृत बताया था और गर्भपात करवाने की सलाह दी थी। इस दौरान पीड़िता मानसिक तनाव में रही।

सेंटर के खिलाफ कार्रवाई की मांग

इसके बाद कुछ लोगों की सलाह पर पीड़िता के पति ने बजरंग ने दुसरे डायग्नोस्टिक सेंटर में अल्ट्रासाउंड कराया। जिसमें बच्चा स्वस्थ था और उसकी धड़कन ठीक थी। यदि पूर्व अल्ट्रासाउंड की रिपोर्ट के अनुसार अपनी पत्नी का अबॉर्शन कर देता तो एक भ्रूण हत्या होती। उन्होंने कहा यह डायग्नोस्टिक सेंटर न जाने कितनों के साथ ऐसा कर चुका होगा। ऐसे में उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

भूमि अधिग्रहण कानून किसान हितैषी बने : प्रदेश संगठन मंत्री रामचेला

आर्यावर्त संवाददाता

मीरजापुर। भारतीय किसान संघ सोनभद्र की मासिक बैठक संपन्न हुई। बैठक का शुभारंभ ध्वज लगाकर व दीप प्रज्जलन कर किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए काशी प्रांत संगठन मंत्री रामचेला ने कहा कि अखिल भारतीय प्रबंध समिति की बैठक नागपुर के रेसिम बाग में 26 व 27 जुलाई को सम्पन्न हुई।बैठक में दो प्रस्ताव पारित किए गए थे। पहला भूमि अधिग्रहण कानून किसान हितैषी बने और दूसरा सभी को स्वास्थ्यवर्धक पोषण युक्त और जहरमुक्त खाद्यान्न प्राप्त हो। बैठक में बाद जिन विकासखंडों का अभी तक प्रशिक्षण नहीं हुआ है। उनकी तिथि निश्चित करने के लिए ब्लॉक की बैठक बुलाकर तय किया जाय तथा साथ ही सभी ब्लॉकों की बैठक की तिथि तय की गई। जो पदाधिकारी प्रशिक्षण नहीं ले सके हैं। उन्हें चिन्हित कर आगामी विकासखंड के प्रशिक्षण वर्ग में शामिल करना एवं ग्राम समितियो की सूची तैयार कर ग्राम समिति में बैठक करना उसके साथ ही साथ आने वाले बलराम जयंती जिसे किसान दिवस के रूप में मनाया जाता है। सभी ग्राम समितियो में मनाई जाय। सभी पदाधिकारियों के घर पूजन का कार्यक्रम संपन्न हो इसके लिए रणनीति बनाई गई। तीन विकास खंड के अध्यक्ष एवं मंत्री उपस्थित रहे। किसानों के लिए डीएपी और यूरिया खाद पर्याप्त मात्रा में न मिलने के संबंध में भी चर्चाएं हुई। इसके समाधान के लिए एआर सहकारिता कार्यालय पहुंच कर समस्या के समाधान के लिए वार्ता की गई और एडीसीओ ने आश्वासन दिया कि दो-तीन दिन में सभी समितियो पर खाद पहुंचा दी जाएगी।

महिला अधिकारी से यौन शोषण का मामला, मथुरा के उपायुक्त सहित सात अधिकारी सस्पेंड

आर्यावर्त संवाददाता

मथुरा। उत्तर प्रदेश में महिला अधिकारी से यौन शोषण मामले में बड़ी कार्रवाई हुई है। राज्य कर विभाग में मथुरा में तैनात डिप्टी कमिश्नर कमलेश कुमार पांडेय सहित सात अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। शेष छह सदस्य आंतरिक परिवाद समिति (विशाखा) के सदस्य हैं, जिन पर आरोपी डिप्टी कमिश्नर को बचाने के आरोप हैं। मंगलवार देर शाम सभी के निलंबन का आदेश संयुक्त सचिव रघुबीर प्रसाद ने जारी किया।

कमलेश कुमार राज्य कर विभाग मथुरा खंड एक में तैनात हैं। उनकी अधीनस्थ महिला अधिकारी ने यौन शोषण का आरोप लगाया था। ये भी आरोप लगाए कि कई अवसरों पर उन्होंने अनैतिक व्यवहार किया। शिकायत की जांच में प्रथम दृष्टया आरोप सही पाए गए। इस पर उन्हें उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक

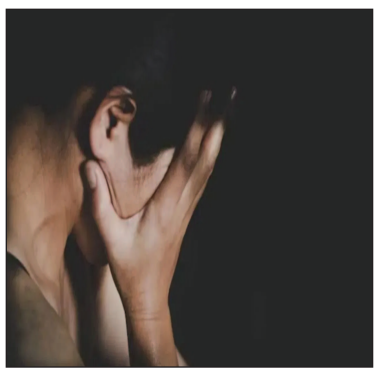

(अनुशासन एवं अपील) नियमावली के अंतर्गत निलंबित करके संयुक्त आयुक्त बांदा कार्यालय से सम्बद्ध कर दिया गया है,

महिला अधिकारी द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच का जिम्मा आतंरिक परिवाद समिति (विशाखा) को दिया गया था। छह सदस्यीय समिति पर आरोप हैं कि जांच के नाम पर आरोपी अधिकारी को बचाने का प्रयास किया और अपनी जिम्मेदारी का पालन नहीं किया।

किन्हें किया गया सस्पेंड?

इस पर आंतरिक परिवाद समिति की सदस्य कोमल छाबड़ा (सहायक आयुक्त, सचल दल इकाई-2, मथुरा), प्रतिभा (उपायुक्त, विशेष अनुसंधान शाखा मथुरा), पूजा गौतम (सहायक आयुक्त, राज्य कर खंड-2 मथुरा), संजीव कुमार (उपायुक्त, राज्यकर खंड-5 मथुरा), सुनीता देवी (राज्य कर अधिकारी, खंड-3, मथुरा) और वीरेन्द्र कुमार (उपायुक्त खंड-3 मथुरा) को निलंबित कर दिया गया। कमलेश कुमार पांडेय और समिति के सदस्यों के विरुद्ध आरोपों की जांच के लिए राज्य कर विभाग में विशेष सचिव कृतिका ज्योत्सना को जांच अधिकारी नामित किया गया है।

सपा ने मुसलमानों के साथ धोखा किया है: वसीम राईन

बाराबंकी। मुसलमानों को 18 प्रतिशत आरक्षण का झूँठा ऐलान करने की साज़शि में समाजवादी पार्टी ने मुस्लिम धर्मगुरुओं को भी शामिल कर लिया। और हुआ वही जिसका अंदाजा पहले से था वोट लेकर सत्ता में आने के बाद सपा वादा भूल गई। हैरत तो यह कि सपा के सुर में सुर मिलाने वाले मौलाना भी सपा से दूर नही हुए बल्कि उनका साथ पहले की तरह मजबूत है। अब यह बताने की जरुरत नही कि झूठ किसने बोला और शिकार कौन हुआ। यह बात आल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसीम राईन ने अपने बयान में कही है। उन्होंने अपनी बात तफसील से रखते हुए कहा कि वर्ष 2012 के चुनाव से पहले जारी विधानसभा के सपा के घोषणापत्र में मुसलमानो को 18 प्रतिशत आरक्षण देने का ऐलान किया गया। सपा के इस ऐलान में मुसलमानों के धर्मगुरु फिरंगी महली व जमीयत उलेमा ए हिंद के सदर मौलाना मदनी, बुखारी आदि भी शामिल रहे और मुसलमानों से समाजवादी पार्टी के पक्ष में वोट करने की अपील की।

दो बच्चों को गंगा में फेंकने वाले दुर्गा सोनकर ने कबूला जुर्म, पुलिस को बताई वजह, मासूमों की नदी में तलाश जारी

आर्यावर्त संवाददाता

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक पिता ने अपने दो नाबालिक बच्चो को गंगा में फेककर खुद भी गंगा में कूद गया। मामला चौबेपुर थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने बताया कि हत्या की नियत से ही दुर्गा दो दिन पहले अपने दोनों बच्चों के साथ रिंग रोड फेज़ 3 के गंगा पुल पर पहुंचा था।

पहले उसने छोटे बेटे आशीष जिसकी उम्र 5 साल थी और फिर बड़े बेटे संदीप जिसकी उम्र 7 साल थी को गंगा में फेककर खुद भी पुल से कूद गया। दुर्गा सोनकर को लोगों ने बचा लिया और उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया। तबियत ठीक होते ही वह जिला अस्पताल से फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी पिता को गिलट बाज़ार में फिर से उसकी गिरफ्तार कर लिया है।

पिता ने की दो मासूमों बच्चों की हत्या

फिलहाल दोनों बच्चों के शवों की तालाश में एनडीआरएफ की टीम जुटी हुई है। कुछ ही क्षण में दोनों बेटे पानी के अंदर समा गए, लेकिन पिता तेज बहाव में मुस्तफाबाद की ओर निकल गया। चौबेपुर थानाध्यक्ष ने बताया कि दुर्गा सोनकर जिसकी उम्र करीब तीस साल है वह सब्ज़ी बेचकर जीवन यापन करता है। उसकी पत्नी से अक्सर उसका झगड़ा हुआ करता था। सोमवार को भी पैसे को लेकर झगड़ा हुआ था। पूछताछ में कि पत्नी समेत परिवार के अन्य सदस्यों ने बताया कि विवाद के बाद दुर्गा ने कहा था कि आज सारा किस्सा खत्म कर दूंगा।

आरोपी पिता गिरफ्तार

इस मामले में स्थानीय लोगों ने बताया कि सोमवार को संदीप और आशीष पुल के बीचोबीच खड़े होकर गंगा की लहरों को देख रहे थे। अचानक दुर्गा ने पहले बेटे आशीष को गंगा में फेंका दिया। यह देखकर संदीप चिल्लाया, लेकिन तब तक दुर्गा ने उसे भी फेंक दिया। पुल से नीचे गिरते ही दोनों पापा-पापा चीख रहे थे। तब तक दुर्गा भी कूद गया। पिता और दोनों बेटे आसपास ही थे। लोगों ने पुलिस को बताया कि कुछ ही क्षण में दोनों बेटे पानी के अंदर समा गए। पिता किसी तरह बाहर आ गया। पुलिस ने आरोपी पिता को पकड़ लिया है और बच्चों के शव की तलाश की जा रही है।

झांसी में है हनुमान जी का वो 500 साल पुराना मंदिर, जहां स्त्री रूप में होती है बजरंगबली की पूजा

आर्यावर्त संवाददाता

झांसी। भगवान हनुमान जी के मंदिर देशभर में हैं, लेकिन झांसी में बजरंगबली एक ऐसा रहस्यमयी मंदिर है, जो पूरे भारत में एकमात्र है। यहां पवनपुत्र हनुमान वीर या बलशाली रूप में नहीं, बल्कि स्त्री के भेष में सखी रूप में विराजमान हैं। यह अद्भुत मंदिर न सिर्फ भक्तों की आस्था का केंद्र है, बल्कि आध्यात्मिक रहस्यों का भी एक जीवंत प्रमाण है।

देशभर में हनुमान जी के जितने भी मंदिर हैं, उनमें वो संकटमोचन, बाल हनुमान तो कहीं पंचमुखी रूप में हैं, लेकिन झांसी का ये मंदिर स्त्री रूप में विराजमान बजरंगबली के कारण सबसे अलग और अनोखा है। भारत में यह अकेला ऐसा मंदिर है, जहां हनुमान जी की स्त्री स्वरूप की पूजा की जाती है। इसका नाम सखी के हनुमान मंदिर है। ये मंदिर झांसी-

कानपुर हाईवे पर स्थित। इस मंदिर की एक बेहद रोचक कथा है।

मंदिर की यह है पौराणिक मान्यता

मान्यताओं के अनुसार, लगभग 500 वर्ष पूर्व ओरछा में सखी बाबा नामक संत को एक दिव्य स्वप्न आया। स्वप्न में उन्हें हनुमान जी स्त्री रूप में दिखाई दिए और यह आदेश दिया कि इस दिव्य प्रतिमा को एक विशेष स्थान पर स्थापित किया जाए। बाबा ने आदेश का पालन करते हुए झांसी के पास इस स्थल को चुना और उनकी प्रतिमा को स्थापित कर दिया। इसके बाद से ही यहां हनुमान जी के स्त्री स्वरूप के दर्शन करने के लिए भक्तों का तांता लगना शुरू हो गया। इस अलौकिक मंदिर में जो प्रतिमा स्थापित है, वह हनुमान जी के सखी रूप की है। आनंद रामायण में एक चौपाई भी इस रहस्य की पुष्टि करती है। वो चौपाई है 'चारुशिला नामक सखी सदा रहत सिय संग, इत दासी उत दास हैं, त्रिया तन्य बजरंग।'

हनुमान जयंती पर लगता है मेला

इस चौपाई में बताया गया है कि माता सीता की सेवा के लिए हनुमान जी ने स्त्री रूप धारण किया था और चारुशिला नामक सखी बनकर उनके साथ रहीं। इस रूप की पूजा देश में सिर्फ यहीं यानी झांसी स्थित सखी के हनुमान मंदिर में होती है। हनुमान जयंती पर यहां मेला लगता है। हर साल हनुमान जयंती पर इस मंदिर में दो दिवसीय महोत्सव आयोजित किया जाता है।

श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र

दिन-रात इस मंदिर में भजन-कीर्तन होता है। हनुमान जी का विशेष श्रृंगार होता है। भक्तों के लिए भव्य भंडारा चलता है। पूरा मंदिर परिसर भक्ति और आस्था से गूंज उठता है। यह आयोजन इतना विशाल होता है कि आसपास के कई गांव और शहरों के श्रद्धालु भी मंदिर में अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हैं। भक्तों का मानना है कि जो भी यहां सच्चे मन से आता है, उसकी हर मनोकामना पूरी होती है।

डीएम ने टीकाकरण सत्र का किया निरीक्षण

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। जनपद में संचालित टीकाकरण कार्यक्रमों की गुणवत्ता, भागीदारी और उपलब्धता का जायज़ा लेने के उद्देश्य से जिलाधिकारी श्री शशांक त्रिपाठी ने बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सी0एच0सी0) जहांगीराबाद एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर, स्वास्थ्य उपकेंद्र मुहीउद्दीनपुर में आयोजित टीकाकरण सत्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने आशा बहुओं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, एएनएम व सीएचओ से संवाद किया और टीकाकरण की समस्त प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने नवजात बच्चों को लगाए जा रहे टीकों, गर्भवती महिलाओं की एएनसी (ANC) जांचों, एब्डोमिनल चेकअप सहित सभी अनिवार्य परीक्षणों की स्थिति की जानकारी ली।

जिलाधिकारी ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि गांव का कोई भी नवजात शिशु या गर्भवती

महिला टीकाकरण व जांच से वंचित न रहे। इसके लिए लोगों को ड्यू लिस्ट के अनुसार बुलावा पर्ची देकर टीकाकरण स्थल पर आमंत्रित किया जाए। उन्होंने कहा कि ग्राम प्रधानों, कोटेदारों की मदद से समुदाय में जागरूकता फैलाएं ताकि अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सकें। जिलाधिकारी ने टीकाकरण सत्र में मौजूद आशा बहुओं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, ए0एन0एम0 और सी0एच0ओ0 द्वारा किए जा रहे अच्छे कार्यों की सराहना की और उन्हें भविष्य में और बेहतर कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका के कारण ही स्वास्थ्य सेवाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही हैं।

स्वास्थ्य सुविधाओं का भी किया अवलोकन

सी0एच0सी0 जहांगीराबाद में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं का भी जिलाधिकारी ने अवलोकन किया। उन्होंने परिसर की साफ-सफाई, दवाओं की उपलब्धता, स्टाफ की उपस्थिति तथा मरीजों को दी जा रही सुविधाओं का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अवधेश यादव, डिप्टी सीएमओ डॉ. राजीव सिंह सहित अन्य स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बच्चा बार-बार हो जाता है बीमार, जाने-अनजाने की गई ये गलतियां हैं वजह

बच्चों का बदलते मौसम में बीमार होना नॉर्मल होता है, लेकिन अगर बार-बार ऐसा हो रहा है तो कुछ ऐसी गलतियां हैं जो पेरेंट्स जाने-अनजाने करते हैं, जिससे बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। इससे वह बहुत जल्दी संक्रमण के शिकार हो जाते हैं, जिससे बीमार पड़ने लगते हैं।

सभी पेरेंट्स चाहते हैं कि उनके बच्चे हेल्दी रहें और इसके लिए वह हर कोशिश करते हैं। हालांकि ये आसान नहीं होता है। बच्चों की देखभाल एक मुश्किल टास्क है जिसे पूरी डेडिकेशन के साथ निभाना पड़ता है। बच्चों का बार-बार बीमार होना ज्यादातर बदलते मौसम में देखा जाता है, लेकिन अक्सर अगर ये समस्या बनी रहे तो इससे बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास पर भी बुरा असर होता है। ऐसे में सिर्फ डॉक्टर के पास जाना सॉल्यूशन नहीं होता है, बल्कि ये जानना जरूरी है कि बच्चा बीमार हो क्यों रहा है। पेरेंट्स से जाने-अनजाने की गई कुछ गलतियों की वजह से बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो सकती है और इससे वह बार-बार बीमार होने की लगते हैं।

बच्चे को बहुत जल्दी जुकाम-खांसी हो जाना डाइजेशन सही न रहना, जैसी चीजें न सिर्फ माता-पिता के लिए परेशानी की वजह होती है बल्कि ये बच्चे के विकास के लिए भी सही नहीं है। इसके पीछे हाइजीन में कमी भी हो सकती है। चलिए एक्सपर्ट से जान लेते हैं कि वो कौन सी गलतियां हैं जो आपके बच्चे को बार-बार बीमार बना सकती हैं।

समय पर वैक्सीन न लगवाना

फेलिक्स हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉक्टर डीके गुप्ता का कहना है कि बच्चा अगर रिकरंट इंफेक्शन से बीमार हो रहा है तो इसमें कहीं न कहीं माता-पिता भी जिम्मेदार हैं। बच्चों में बड़ो की तरह ही रीकरंट इंफेक्शन से बचाने के लिए रोग प्रतिरोधक क्षमता सही होना जरूरी होता है। इसे बढ़ाने के दो तरीके हैं एक तो नेचुरली इसे इंप्रूव किया जाए और दूसरा है वैक्सीनेशन। बहुत सारे माता-पिता बच्चों को वैक्सीन नहीं लगवाते हैं या फिर सही समय पर पूरी वैक्सीन नहीं लगवाते हैं, इससे उनमें एंटीबॉडी डेवलप नहीं हो पाती है।

डाइट को सही न रखना

एक्सपर्ट कहते हैं कि आजकल बच्चों को जंक और प्रोसेस्ड फूड खिलाया जा रहा है। इसका रीजन ये हैं कि बच्चे अपने माता-पिता को कॉपी करते हैं और उन्हें रोल मॉडल मानते हैं। ऐसे में कहीं न कहीं घर में जो में खानपान का कल्चर होता है उसे ही वो फॉलो करते हैं। अगर सीजनल वेजिटेबल और सीजनल फ्रूट्स या ऐसी चीजें जो एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन-मिनरल्स से रिच हैं। अगर वो घर में नहीं खाई जा रही हैं, उसकी जगह प्रोसेस्ड फूड और जंक फूड खाना, शुगर फूड या ब्रिवरीज लिए जा रहे हैं तो इससे बच्चों को सही पोषण नहीं मिलता है और उनकी इम्यूनिटी कम होने लगती है। और इस वजह से रीकरंट इंफेक्शन होते हैं।

स्लीप पूरी न लेना

डॉ डीके गुप्ता बताते हैं कि हेल्दी रहने के लिए स्लीप बहुत जरूर फैक्टर है। अगर नींद का पैटर्न सही न हो तो कहीं न कहीं इससे भी इम्यूनिटी कमजोर हो सकती है। कई बार पेरेंट्स ध्यान नहीं देते हैं बच्चे देर रात तक जागते रहते हैं। अगर बच्चा नींद सही नहीं ले रहा है। वो डिजिटल एडिक्ट है यानी फोन देख रहा है या टीवी देख रहा है तो इससे भी उसे नींद नहीं आती है और ये बार-बार बीमार होने का कारण बन सकता है। बच्चों को सही समय पर सुलाएं और साथ ही उनको फोन या टीवी की टाइमिंग को कम करें।

पॉल्यूशन भी है वजह

एक्सपर्ट कहते हैं कि आज के टाइम में पॉल्यूशन एक बहुत बड़ी वजह है जिससे कम उम्र में ही अस्थमा जैसी गंभीर बीमारियां होने लगती हैं। इसके लिए हम-आप बड़े ही कहीं न कहीं जिम्मेदार हैं। अगर कहीं पर पॉल्यूशन ज्यादा है तो वहां पर एयर फिल्टर, एयर प्यूरीफायर लगाने के साथ ही घर में इंडोर प्लांट रखने चाहिए। हम सभी को इसके लिए जर्नलाइज काम करने चाहिए जैसे पब्लिक ट्रांसपोर्ट का यूज करना। बच्चों की डाइट सही रखें, उन्हें सही समय पर सुलाएं। स्क्रीन टाइमिंग कम करें और समय पर वैक्सीनेशन करवाएं साथ ही पॉल्यूशन से जितना हो सके बचाकर रखें।

डी-टैन और ब्राइटनिंग फेशियल में हैं ये फर्क, जानें आपके लिए क्या है बेहतर

आजकल फेशियल में कई ऑप्शन होते हैं। लेकिन हर किसी को अपने स्किन टाइप और जरूर के मुताबिक ही इसे सेलेक्ट करना चाहिए। इनमें सबसे ज्यादा कोमन है। आइए जानते हैं इन दोनों में क्या अंतर हैं और दोनों में से आपके लिए क्या बेहतर रहेगा।

स्किन को ग्लोइंग बनाए रखने के लिए सही लाइफस्टाइल और हेल्दी लाइट के साथ में स्किन केयर करना बहुत जरूरी है। रोजाना मॉइस्चराइजर, टोनर और सनस्क्रीन लगाने के अलावा भी 10 से 15 दिन में स्क्रब किया जाना चाहिए, जिससे स्किन पर मौजूद डेड स्किन सेल्स और धूल-मिट्टी को कम किया जा सके। लेकिन इसके अलावा फंक्शन या खास अवसर पर ज्यादातर लोग फेशियल करवाते हैं।

फेशियल से स्किन को हेल्दी बनाने और ग्लो लाने में मदद मिलती है। लेकिन यह हर किसी व्यक्ति की स्किन की जरूरत के मुताबिक किया जाता है। आजकल कई तरह के फेशियल होते हैं। ऐसे में आपको अपनी स्किन टाइप और जरूरत के मुताबिक इसका चयन करना चाहिए। इसे डी टैन और स्किन ब्राइटनिंग फेशियल भी शामिल है। आइए जानते हैं इन दोनों में क्या अंतर है और इसमें से आपके लिए कौन-सा सही है।

डी-टैन फेशियल

डी-टैन फेशियल स्किन से टैन को हटाने और रंगत में निखार लाने में मदद करता है। इसमें एक्सफोलिएशन यानी की स्क्रब करना, क्लीनिंग और मॉइस्चराइजिंग की जाती है। इसके बाद डी-टैन मास्क का उपयोग किया जाता है। इसे बाद चेहरे की मसाज की जाती है। अब पानी से फेस को साफ करे मॉइस्चराइजर का उपयोग किया जाता है।

इससे टैनिंग को कम करने, गहराई से चेहरे को साफ करने, स्किन को ग्लोइंग और हाइड्रेट बनाने में मदद मिलती है। साथ ही इसके बाद स्किन फ्रेश महसूस होती है। ऐसे में जिन लोगों के चेहरे पर धूप के कारण टैनिंग हो गई है या फिर अनइवन स्किन टोन हो रही है, उनके लिए डी-टैन फेशियल करवाना सही रहता है।

ब्राइटनिंग फेशियल

ब्राइटनिंग फेशियल रंगत को निखारने में मदद करता है। जैसे की चेहरे पर काले धब्बे और हाइपरपिग्मेंटेशन को कम करने में मदद मिलती है। ब्राइटनिंग फेशियल में पहले तो स्किन को क्लीन कर एक्सफोलिएट किया जाता है, इसके बाद सीरम और फेस मास्क का उपयोग किया जाता है। लास्ट में मॉइस्चराइजर लगाया जाता है।

बेजान और डल स्किन वाले लोगों के लिए यह सही रहता है। साथ ही काले धब्बे और हाइपरपिग्मेंटेशन में यह ज्यादा सही रहता है। स्किन को हाइड्रेट रखता है। आप अपने मुताबिक इसे चुन सकते हैं। इसके अलावा किसी एक्सपर्ट या ब्यूटीशियन से बात कर सकते हैं। वह आपकी स्किन टाइप और जरूरत के मुताबिक आपको सही फेशियल चुनने की सलाह देंगे।

ठंडा, गर्म या गुनगुना पानी, दवा लेने के लिए कौन सा पानी ज्यादा बेहतर? जानें, कहीं आप रोज तो नहीं कर रहे ये गलती?

आजकल बहुत से लोग किसी न किसी समस्या से जूझ रहे हैं। ऐसे में ज्यादातर लोग स्वास्थ्य समस्याओं को कम करने के लिए दवा का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन, जब भी हम दवा लेते हैं, तो हममें से कई लोगों के मन में यह शंका होती है कि दवा ठंडे पानी के साथ लेनी चाहिए या गुनगुने पानी के साथ, यह सवाल लगभग सभी के मन में आता है। कुछ लोग बिना सोचे-समझे ठंडे पानी के साथ दवा ले लेते हैं, तो कुछ लोग गुनगुने पानी का इस्तेमाल करते हैं। बहरहाल, आज इस खबर में विशेषज्ञों से जानें कि दवा कैसे लेनी चाहिए और यह स्वास्थ्य के लिए कैसे फायदेमंद है।।।

दवा की प्रकृति को समझना महत्वपूर्ण है

हम आमतौर पर दवाइयां टैबलेट, कैप्सूल, सिरप या सस्पेंशन के रूप में लेते हैं। चाहे किसी भी रूप में ली जाए, शरीर में हर प्रकार की दवा का अवशोषण अलग-अलग होता है। इसलिए, विशेषज्ञ दवा की प्रकृति के अनुसार दवा लेने की सलाह देते हैं। दवा की प्रकृति ही यह निर्धारित करती है कि उसे किस तापमान पर लेना चाहिए।

एक गलती जो बहुत से लोग करते हैं

कई लोग ठंडे पानी के साथ दवाइयां लेकर बहुत बड़ी गलती कर देते हैं। आपको बता दें, जब हम दवाइयां लेते हैं तो वो पेट की बायोलॉजिकल मेम्ब्रेन में अवशोषित हो जाती हैं। ऐसे में दवाइयों में मौजूद तत्वों के अच्छे से अवशोषित होने के लिए पेट के इंटरनल एनवायरमेंट, जिसमें पेट और आंतों का तापमान भी शामिल है, का सही होना बहुत जरूरी है। जब लोग ठंडे पानी के साथ दवाइयां लेते हैं तो इससे शरीर का आंतरिक तापमान कम हो जाता है। इससे दवाइयों की घुलनशीलता कम हो जाती है। जब लोग ठंडे पानी के साथ दवाइयां लेते हैं तो शरीर ली गई दवा के प्रोसेस पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाता है और अपनी सारी एनर्जी पानी के तापमान को सामान्य करने में खर्च कर देता है। ऐसे में बता दें कि ठंडे पानी के साथ दवाइयां लेने से दवाइयों का असर कम हो जाता है।

क्या ठंडे पानी के साथ दवा लेना हानिकारक है?

ठंडे पानी के साथ दवा लेने के नुकसान जानने के लिए और अधिक शोध की आवश्यकता है। इसके नुकसान को साबित करने के लिए पर्याप्त प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं। लेकिन ठंडे पानी के साथ दवा लेने से बचना चाहिए। ऐसा इसलिए है क्योंकि आमतौर पर इंजेक्शन की तुलना में दवा की सामग्री को आवश्यक स्थान तक पहुंचने में अधिक समय लगता है। दवाइयों के अवशोषित होने से पहले, ठंडे पानी को शरीर के तापमान पर लाना आवश्यक है। यह प्रोसेस दवाइयों के अवशोषण में और देरी करती है।

सर्दी या गले में खराश

गले में खराश, खांसी या सर्दी होने पर डॉक्टर आमतौर पर गुनगुने पानी से गरारे करने और दवा लेने की सलाह देते हैं, क्योंकि गुनगुने पानी गले को आराम देता है और दवा लेना आसान बनाता है, जबकि ठंडा पानी गले में जलन और बेचैनी पैदा कर सकता है। कुछ दवाएं गुनगुने पानी के साथ लेने पर तेजी से असर करती हैं।

दवा लेने का सही तरीका क्या है?

दवा लेने के लिए सादा या कमरे के तापमान वाला पानी (गुनगुना पानी) पीना आमतौर पर सबसे अच्छा ऑप्शन है, क्योंकि यह दवा के अवशोषण में मदद करता है और शरीर के लिए सौम्य होता है, जबकि अत्यधिक ठंडा पानी कुछ दवाओं के असर को धीमा कर सकता है। हम अक्सर डॉक्टरों को गुनगुना पानी या सादे पानी के साथ दवा लेने की सलाह देते सुनते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि गुनगुने पानी के साथ दवा लेने से यह पेट में आसानी से घुल जाती है और आपके पेट और आंतों में पर्याप्त गर्मी बनी रहती है। इससे दवा का अवशोषण भी बेहतर होता है। साथ ही, दवा जल्दी असर दिखाने लगती है।

ध्यान रहें, गुनगुने पानी के साथ दवा लेना सभी दवाओं के लिए उपयुक्त नहीं हो सकता है, विशेष रूप से उन दवाओं के लिए जिन्हें धीमी गति से अवशोषित करने की आवश्यकता होती है।

पीएम किसान की 20वीं किस्त हुई जारी, ऐसे चेक करें स्टेटस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने वाराणसी दौरे के दौरान पीएम किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त जारी कर दी है। किसानों के खाते में 2000 रुपये पहुंच गए हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने वाराणसी दौरे के दौरान पीएम किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त जारी कर दी है। किसानों के खाते में 2000 रुपये पहुंच गए हैं। पीएम मोदी ने यहीं से किसानों के खातों में पीएम किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त भेज दी है। इसका खरीफ की फसल बोने वाले किसान काफी दिनों से इंतजार कर रहे थे। वहीं, इसके साथ में ही पीएम मोदी ने वाराणसी के सेवापुरी के गांव बनौली में 2183.45 करोड़ की 52 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। आइए आपको बताते हैं कि पीएम किसान निधि का स्टेटस आप घर बैठे ऑनलाइन कैसे चेक कर सकते हैं।

पीएम किसान योजना से इस बार 9 करोड़ 70 लाख से अधिक किसानों के खातों में 20,500 करोड़ रुपये भेजे गए हैं। इससे पहले सरकार ने 19 किस्त ऑलरेडी जारी कर दी है। इस स्कीम के तहत किसानों को उनकी खेती में मदद करने के लिए 2000-2000 रुपये दिए जाते हैं। सरकार कुल साल भर में 6000 रुपये सीधे किसानें के बैंक खातों में भेजती है। इस स्कीम को केंद्र सरकार की ओर साल 2019 में शुरू किया गया था।

ऐसे चेक करें स्कीम का स्टेटस

सबसे पहले आप PM Kisan की आधिकारिक वेबसाइट (https://pmkisan.gov.in) पर जाएं।

उसके बाद वहां पर होम पेज दिख रहे Beneficiary Status ऑप्शन को क्लिक करना होगा।

फिर उसके बाद जब आपका फॉर्म खुल जाए तो वहां पर आपको अपना आधार नंबर, मोबाइल नंबर या बैंक खाता नंबर में से कोई एक डालना होगा।

वहीं पर कैप्चा कोड का ऑप्शन आएगा, जिसे आपको फिल करना होगा।

कैप्चा डालने के बाद, सारी जानकारी भरने के बाद Get Data बटन पर क्लिक करें।

फिर आपको आपकी 20वीं किस्त सहित सभी किस्तों की जानकारी आपकी स्क्रीन पर दिख जाएगा।

यहां आप यह भी देख सकेंगे कि आपकी किस्त कितनी राशि की है और कब ट्रांसफर हुई है।

क्या खेती से मुंह मोड़ रहे हैं किसान? केसीसी खातों का ये आंकड़ा कर देगा हैरान!

किसानों की आय बढ़ाने के लिए शुरू की गई किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना से जुड़ा चिंताजनक डेटा सामने आया है। 2025 में सरकारी बैंकों में केसीसी खातों की संख्या 1.8% घटी है, जबकि इस दौरान बकाया कर्ज 2.2% बढ़ गया।

किसानों की कमाई बढ़ाने और उन्हें सस्ते कर्ज देने के लिए शुरू हुई किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना से जुड़ी एक परेशान करने वाली रिपोर्ट सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025 में सरकारी बैंकों में केसीसी खातों की संख्या 1.8% घटकर अब सिर्फ 2.125 करोड़ रह गई है लेकिन, इस दौरान इन खातों पर बकाया कर्ज बढ़ गया है। 2025 में केसीसी पर कुल कर्ज 2.2% बढ़कर 413 अरब रुपये हो गया है।

केसीसी खातों में गिरावट के पीछे क्या है वजह?

बिजनेस स्टैंडर्ड की एक रिपोर्ट के मुताबिक, एक अधिकारी ने बताया कि केसीसी खातों की संख्या में गिरावट इस बात का इशारा है कि गांवों में कर्ज लेने का तरीका अब बदल रहा है। उनका कहना है कि पिछले कुछ सालों में किसानों की कमाई थोड़ी बढ़ी है। कुछ किसान खेती छोड़ रहे हैं, तो कुछ राज्यों में किसान अब सरकारी बैंकों की बजाय सहकारी बैंक, NBFC या उर्वरक कार्ड जैसे खेती से जुड़े कर्ज को ज्यादा तवज्जो दे रहे हैं। इसीलिए सरकारी बैंकों से केसीसी कर्ज लेने में कमी आ रही है।

नए केसीसी खातों में आ रही कमी

पंजाब नेशनल बैंक के एमडी और सीईओ अशोक चंद्रा ने बताया कि नए किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) खातों की संख्या में कमी देखी जा रही है। उन्होंने कहा कि इसका एक बड़ा कारण ये है कि ज्यादातर इलाकों में पात्र किसानों को पहले ही केसीसी मिल चुका है। पिछले कुछ सालों में सरकार और बैंकों ने इस योजना पर खूब जोर दिया और ज्यादा से ज्यादा किसानों को जोड़ा। इसीलिए अब नए खाते कम खुल रहे हैं। फिर भी, चंद्रा का कहना है कि केसीसी आज भी खेती के लिए कर्ज लेने का सबसे बड़ा साधन है और किसान अपनी जरूरतें इससे ही पूरी कर रहे हैं।

किसान क्रेडिट कार्ड पर मिलता है सस्ता कर्ज

किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के जरिए किसानों को खेती के लिए सस्ता कर्ज मिलता है। इस योजना में 5 लाख रुपये तक का लोन मिल सकता है। इसमें 3 लाख रुपये फसलों के लिए और 2 लाख रुपये खेती से जुड़े दूसरे कामों के लिए दिया जाता है। इस लोन पर ब्याज सिर्फ 7% है। ऊपर से सरकार 2% ब्याज की छूट देती है और अगर समय पर पेमेंट कर दें, तो 3% का बोनस भी मिलता है। यानी कुल मिलाकर किसान को सिर्फ 4% सालाना ब्याज देना पड़ता है। ये देश के सबसे सस्ते खेती के कर्ज में से एक है।

दिग्गज कंपनी बोइंग को तगड़ा झटका! लड़ाकू विमान बनाने वाले 3,200 कर्मचारी हड़ताल पर, उत्पादन पूरी तरह ठप

नई दिल्ली, एजेंसी। विमानन की दुनिया की दिग्गज अमेरिकी कंपनी बोइंग को एक बड़े संकट का सामना करना पड़ रहा है। कंपनी के डिफेंस विंग के लगभग 3,200 कर्मचारियों ने हड़ताल शुरू कर दी है। ये कर्मचारी लड़ाकू विमान स्न-35 समेत कई अन्य महत्वपूर्ण सैन्य विमानों का निर्माण करते हैं, जिससे उत्पादन पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, यह हड़ताल सेंट लुइस, सेंट चार्ल्स (मिसौरी) और मस्काउटा (इलिनोइस) स्थित बोइंग संयंत्रों में हुई है। कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाली 'इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ मशीनिस्ट्स एंड एयरोस्पेस वर्कर्स यूनियन' ने बताया कि कर्मचारी कंपनी द्वारा प्रस्तावित चार-वर्षीय श्रम समझौते से खुश नहीं थे। वेतन, काम के घंटे (वर्क शेड्यूल) और पेंशन से जुड़े प्रस्तावों को खारिज करते हुए कर्मचारियों ने हड़ताल पर जाने का फैसला किया। यूनियन ने एक पोस्ट में कहा, बोइंग के 3,200 उच्च-कुशल सदस्य आधी रात को हड़ताल पर चले गए, क्योंकि अब बहुत हो चुका है।

वहीं, कर्मचारियों के इस कदम पर बोइंग ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। कंपनी की एयर डोमिनेंस यूनिट के वाइस प्रेसिडेंट डैन गिलियन के अनुसार, कर्मचारियों को वेतन में औसतन 40 प्रतिशत की बढ़ोतरी का प्रस्ताव दिया गया था, जिसे दुर्भाग्यवश यूनियन ने ठुकरा दिया। कंपनी का दावा है कि इस हड़ताल से कोई बड़ा असर नहीं पड़ेगा।

गौरतलब है कि बोइंग कंपनी इन दिनों कई मोर्चों पर चुनौतियों का सामना कर रही है, जिसमें विमानों की सुरक्षा से जुड़े मुद्दे और हाल के दिनों में हुए विमान हादसे प्रमुख हैं। पिछले साल भी कंपनी को एक लंबी हड़ताल का सामना करना पड़ा था, जो करीब 8 हफ्तों तक चली थी और इससे कंपनी को भारी आर्थिक नुकसान हुआ था।

ब्राजीली राष्ट्रपति ने ठुकराई ट्रंप की पेशकश; लूला का करारा जवाब- मैं पीएम मोदी से बात करूंगा

रियो डी जेनेरियो, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने एक बयान में हाल ही में कहा कि ब्राजील के राष्ट्रपति उन्हें टैरिफ पर बात करने के लिए फोन कर सकते हैं। हालांकि ब्राजीली राष्ट्रपति ने ट्रंप की ये पेशकश ठुकरा दी है। ब्राजीली राष्ट्रपति ने कहा कि उनका देश अपने हितों की रक्षा के लिए विश्व व्यापार संगठन सहित सभी उपलब्ध संसाधनों का इस्तेमाल करेगा। उन्होंने कहा कि वे राष्ट्रपति ट्रंप से फोन पर बात करने के बजाय ब्रिक्स संगठन के सहयोगी देशों से बात करेंगे। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ब्राजील पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने का एलान किया था।

'ब्राजील अमेरिका के द्विपक्षीय संबंधों का सबसे खेदजनक समय'

ट्रंप के एलान के बाद अमेरिका और ब्राजील के संबंधों में तनाव बढ़ गया है। ब्राजीली राष्ट्रपति लूला ने अमेरिका द्वारा टैरिफ लगाए जाने के दिन को दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों के इतिहास का 'सबसे खेदजनक' समय बताया। लूला ने कहा कि उनकी सरकार ब्रिक्स भागीदारों सहित अन्य देशों के साथ विदेशी व्यापार को मजबूत करने के लिए पहले से ही कार्रवाई शुरू कर चुकी है।

मोदी से बात करूंगा'

लूला ने ब्रासीलिया में एक कार्यक्रम में बोलते हुए कहा, '2025 में, हम अपने हितों की रक्षा के लिए विश्व व्यापार संगठन से बातचीत शुरू करने के साथ ही सभी संभव उपायों का सहारा लेंगे।' ब्राजील के नेता ने कहा कि 'वह टैरिफ पर चर्चा के लिए ट्रंप को फोन नहीं करेंगे, क्योंकि अमेरिकी नेता बात नहीं करना चाहते लेकिन मैं शी जिनपिंग को फोन करूंगा, मैं प्रधानमंत्री मोदी को फोन करूंगा। मैं पुतिन को फोन नहीं करूंगा, क्योंकि वह अभी यात्रा नहीं कर सकते। लेकिन मैं कई राष्ट्रपतियों को फोन करूंगा।'

कॉप 30 में आमंत्रित करेंगे ट्रंप को

बढ़ते तनाव के बावजूद, लूला ने कहा कि वह नवंबर में पारा के बेलेम में होने वाले संयुक्त राष्ट्र के जलवायु परिवर्तन सम्मेलन, COP30 में राष्ट्रपति ट्रंप को आमंत्रित करेंगे। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, लूला ने कहा, 'मैं ट्रंप को COP30 में आमंत्रित करने और जलवायु मुद्दे पर उनकी राय जानने के लिए फोन करूंगा। अगर वह इसमें शामिल नहीं होते हैं, तो उनती मर्जी, लेकिन यह शिक्षा, मित्रता या लोकतंत्र की कमी के कारण नहीं होगा।' लूला ने कहा है कि ब्राजील अमेरिका के साथ टैरिफ पर बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन यह बातचीत समान शर्तों और परस्पर सम्मान के साथ होनी चाहिए, जिससे राष्ट्रीय संप्रभुता और निष्पक्ष व्यापार के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की पुष्टि होती है।

मेडिकल ट्रांसपोर्ट विमान उत्तरी एरिजोना में क्रैश हुआ, दुर्घटना में चार लोगों की मौत

एरिजोना, एजेंसी। अमेरिका के एरिजोना राज्य में नावा जो नेशन क्षेत्र में मंगलवार को एक छोटा मेडिकल ट्रांसपोर्ट विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसमें आग लग गई। इस हादसे में विमान में सवार चार लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी नावा जो जनजाति के अधिकारियों ने दी। इस दुर्घटना में शामिल विमान बीचक्राफ्ट किंग एयर 300 था, जो सीएसआई एविएशन कंपनी का था। यह विमान न्यू मैक्सिको के अल्बुकर्क शहर से उड़ा था और उसमें दो पायलट व दो स्वास्थ्यकर्मी सवार थे।

जानकारी के मुताबिक, विमान की योजना चिनले के पास स्थित एयरपोर्ट पर उतरने की थी, जहां से एक गंभीर हालत वाले मरीज को लेकर वापस अल्बुकर्क लौटना था। लेकिन उतरते समय कोई तकनीकी गड़बड़ी हो गई और विमान क्रैश हो गया। नावा जो पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी एमेट याजी ने बताया कि, 'वे चिनले एयरपोर्ट पर उतरने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन अफसोस, कुछ गलत हो गया।' हादसे की सूचना मंगलवार दोपहर करीब 12:44 बजे मिली, जब एयरपोर्ट के पास काले धुएं के बादल उठते देखे गए। नावा जो इमरजेंसी विभाग की निदेशक शेरेन सैंडोवल ने बताया कि विमान एक मरीज को लेने आया था, जिसे विशेष इलाज की जरूरत थी। हालांकि, मरीज कहां था और उसकी हालत क्या है, इस बारे में फिलहाल कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। विमान हादसे का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) और फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) मामले की जांच कर रहे हैं। हादसे से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही वास्तविक कारणों का पता चल पाएगा।

चिकनगुनिया ने इन 16 देशों में मचाया कोहराम, चीन में 7000 केस, अमेरिका में ट्रैवल अलर्ट

वॉशिंगटन, एजेंसी। चिकनगुनिया वायरस एक बार फिर दुनिया के कई हिस्सों में सिर उठा रहा है। इसके बढ़ते मामलों को देखते हुए अमेरिका की सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (CDC) ने चीन और कई अन्य देशों के लिए ट्रैवल अलर्ट जारी किया है।

CDC ने अमेरिकी यात्रियों को जोखिम की चेतावनी दी है, खासकर उन जगहों पर जहां यह मच्छर जनित वायरस तेजी से फैल रहा है। खासकर चीन चिकनगुनिया के केस से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। यहां 7000 मामले रिपोर्ट किए गए हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस साल अब तक सेंट्रल और साउथ अमेरिका, अफ्रीका, हिंद महासागर क्षेत्र और एशिया के कई हिस्सों में चिकनगुनिया के करीब 2.14 लाख मामले दर्ज किए गए हैं। जिनमें 90 मौतें भी हुई हैं। मसलन चीन का दक्षिणी प्रांत ग्वांगडोंग जहां 2025 के जून से अब तक 7,000 से ज्यादा मामले रिकॉर्ड किए गए हैं। इस शहर की आबादी करीब 78 लाख है। वहीं 2019 के बाद हांगकांग में चिकनगुनिया का पहला मामला अभी हाल ही में सामने आया।

CDC ने चिकनगुनिया के बढ़ते मामलों को देखते हुए लेवल-2 यानी सावधानी बढ़ाने की जरूरत वाली ट्रैवल हेल्थ नोटिस जारी की है। इसमें दक्षिण अमेरिका का बोलिविया, चीन का ग्वांगडोंग प्रांत, हिंद महासागर क्षेत्र के मेडागास्कर, मॉरीशस, मायोट, रीयूनियन, सोमालिया और श्रीलंका के देश शामिल हैं। इसके अलावा सीडीसी ने अमेरिका के यात्रियों के लिए ब्राजील, कोलंबिया, भारत, मेक्सिको, नाइजीरिया, पाकिस्तान, फिलीपींस और थाइलैंड को लेकर भी चेतावनी जारी की गई है।

क्या अमेरिका में चिकनगुनिया आम है?

अमेरिका में चिकनगुनिया आम है। हालांकि CDC के डेटा के मुताबिक 2006 से पहले, अमेरिकी यात्रियों में चिकनगुनिया का संक्रमण बहुत कम पाया जाता था। 2006-2013 के दौरान, संयुक्त राज्य अमेरिका में हर साल औसतन 28 लोगों में चिकनगुनिया वायरस के संक्रमण की पुष्टि हुई। ये सभी एशिया, अफ्रीका या हिंद महासागर के प्रभावित क्षेत्रों से संयुक्त राज्य अमेरिका आने वाले या लौटने वाले यात्री थे। CDC के मुताबिक, 2019 के बाद अमेरिका में कोई स्थानीय रूप से फैला हुआ मामला सामने नहीं आया है। हालांकि, 2024 में 199 और 2025 में अब तक 46 अमेरिकी नागरिकों में ट्रैवल के दौरान संक्रमित होने के मामले सामने आए हैं।

जंग के बाद एक्शन में खामनेई, ईरान के राष्ट्रपति के धुर विरोधी को दे दी ये बड़ी जिम्मेदारी

यरुशलम, एजेंसी। इजराइल के साथ चली 12 दिनों के जंग के बाद ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई एक्शन मोड में आ गए हैं। हाल ही में उन्होंने नए रक्षा परिषद की मंजूरी दी थी जिसे नेशनल डिफेंस काउंसिल (राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद) नाम दिया गया है। अब इसका सचिव भी नियुक्त कर दिया गया है। खामेनेई ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान के कट्टर राजनीतिक विरोधी माने जाने वाले अली लारीजानी को राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद का नया प्रमुख नियुक्त किया है।

68 वर्षीय लारीजानी, इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) से जुड़े जनरल अली-अकबर अहमदियन की जगह लेंगे। अहमदियन को मई 2023 में इस पद पर बैठाया गया था। इस नियुक्ति को कई कई जानकार ईरान की सत्ता के कट्टरपंथी रुख से हटकर एक उदार दिशा में बढ़ने के तौर पर देख रहे हैं।

जानिए कौन है अली लारजानी?

लारीजानी एक प्रभावशाली शिया मुस्लिम परिवार से आते हैं। उनका जन्म 3 जून 1958 को हुआ। लारीजानी का सरकार से संबंध है, और उन्होंने फिलॉस्फी में डॉक्टरेट डिग्री हासिल की है। वे इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) के पूर्व सदस्य भी रह चुके हैं। करीब तीन दशकों में कई वरिष्ठ सरकारी पदों पर काम किया है। ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई ने उन्हें मई 2020 में अपने सलाहकारों में से एक बनाया था।

3 बार राष्ट्रपति बनते बनते रह गए

लरीजानी ने 2024 के राष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन भी किया था लेकिन उन्हें चुनाव लड़ने से अयोग्य ठहरा दिया गया। ये पहली बार नहीं था। 2005 में किस्मत आजमाई थी, मगर छठे नंबर पर रह गए। 2021 में भी दावेदारी पेश की, लेकिन तब भी बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। जबकि उन्हें एक प्रमुख उम्मीदवार माना जा रहा था 2005 से शुरू होकर, लारिजानी ने ईरान की परमाणु नीति का नेतृत्व किया था, लेकिन पश्चिमी शक्तियों के साथ दो साल की बातचीत के बाद, तत्कालीन राष्ट्रपति महमूद अहमदीनेजाद के साथ गंभीर मतभेदों का हवाला देते हुए, उन्होंने इस्तीफा दे दिया। 2008 से 2020 तक संसद अध्यक्ष रहते हुए लारीजानी ने विश्व शक्तियों के साथ 2015 के परमाणु समझौते का समर्थन किया।

क्या करेगी ईरान की सुरक्षा परिषद?

ईरान ने युद्ध के हालात में फैसले लेने के लिए नेशनल डिफेंस काउंसिल बनाई है। इसकी अगुवाई राष्ट्रपति मसऊद पेजेश्कियान करेंगे। ये परिषद हालिया 12 दिन की जंग के बाद सुरक्षा ढांचे में किए गए बड़े बदलाव का हिस्सा है। इसका मकसद सैन्य रणनीति तय करना और सेनाओं की क्षमताएं बढ़ाना है। मगर इसमें लिए गए फैसले पर आखिरी मुहर ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई ही लगाते हैं। परिषद में सबसे सीनियर सदस्य यानी सचिव ही तय करते हैं कि जो फैसला हुआ है, वो जमीन पर कैसे उतरेगा और ठीक से लागू हो रहा है या नहीं।

एल्विश यादव के खिलाफ ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक, यूपी सरकार और शिकायतकर्ता को नोटिस जारी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने यूट्यूबर एल्विश यादव को बड़ी राहत देते हुए उनके खिलाफ चल रही सांप के जहर से जुड़ी आपराधिक कार्यवाही पर फिलहाल रोक लगा दी है। एल्विश यादव ने इस मामले में चार्जशीट और मुकदमे की प्रक्रिया को चुनौती दी थी। इस पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार और शिकायतकर्ता को नोटिस भेजकर जवाब मांगा है। अब अगली सुनवाई तक निचली अदालत में मामले की सुनवाई नहीं होगी।

क्या है मामला?

नोएडा पुलिस ने एल्विश यादव समेत कुछ लोगों पर सांप का जहर पार्टी में इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज किया था। आरोप था कि उन्होंने एक पार्टी में अवैध तरीके से सांपों और जहर का इस्तेमाल किया था। इस मामले में वन विभाग और पुलिस की जांच के बाद चार्जशीट दाखिल की गई थी। एल्विश यादव ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर कहा कि उनके खिलाफ गलत और बिना सबूत के आरोप लगाए गए हैं। उनका कहना है कि वे निर्दोष हैं और उन्हें झूठा फंसाया गया है।

यूपी सरकार और शिकायतकर्ता को नोटिस जारी

न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मामले में अपने खिलाफ आरोपपत्र और आपराधिक कार्यवाही को चुनौती देने वाली एल्विश यादव की याचिका पर उत्तर प्रदेश सरकार और शिकायतकर्ता गौरव गुप्ता को नोटिस जारी किया। शीर्ष अदालत इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस आदेश के खिलाफ यादव की अपील पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उनकी याचिका खारिज कर दी गई थी। आरोपपत्र में विदेशियों समेत अन्य लोगों की तरफ से रेव पार्टियों में मनोरंजन के लिए साँप के जहर का सेवन करने का आरोप लगाया गया है।

पिछले साल मार्च में नोएडा पुलिस ने किया था गिरफ्तार

एल्विश यादव को पिछले साल मार्च में नोएडा पुलिस ने इस मामले में गिरफ्तार किया था। मामले में उनके वकील ने उच्च न्यायालय में तर्क दिया था कि आवेदक और सह-आरोपी के बीच कोई कारणात्मक संबंध स्थापित नहीं होने के अलावा, उसके पास से कोई सांप, मादक या मनोविकारजनक पदार्थ बरामद नहीं हुआ था। वकील ने आगे कहा था कि हालांकि सूचना देने वाला अब पशु कल्याण अधिकारी नहीं है, फिर भी उसने खुद को पशु कल्याण अधिकारी बताते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई थी। एल्विश यादव को एक जाने-माने प्रभावशाली व्यक्ति और टेलीविजन पर कई रियलिटी शो में दिखाई देने वाला व्यक्ति बताते हुए वकील ने कहा था कि एफआईआर में उनकी संलिप्तता ने मीडिया का बहुत ध्यान आकर्षित किया है।

बिहार में एसआईआर को लेकर एक भी राजनीतिक पार्टी ने नहीं की आपत्ति, चुनाव आयोग ने जारी कर दी सूची

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार में मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण को लेकर चुनाव आयोग ने कहा है कि अभी तक किसी भी राजनीतिक पार्टी एसआईआर को लेकर एक भी आपत्ति का दावा नहीं किया है। चुनाव आयोग ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में सभी राजनीतिक पार्टियों की सूची भी जारी कर दी है, जिसमें बताया गया है कि किसी भी पार्टी ने 1 अगस्त को बिहार में मतदाता सूची के प्रारूप के प्रकाशन के बाद से 6 अगस्त (सुबह 9 बजे) तक अभी तक एसआईआर को लेकर कोई आपत्ति नहीं की है।

चुनाव आयोग द्वारा जारी सूची के अनुसार, बिहार में राजद के 47,506 बूथ लेवल एजेंट्स (बीएलए) हैं, लेकिन किसी पार्टी की तरफ से एसआईआर को लेकर कोई आपत्ति दर्ज नहीं कराई गई है। इसी तरह कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के 1,496 बीएलए हैं, लेकिन किसी भी बीएलए की तरफ से कोई आपत्ति नहीं जताई गई है। चुनाव आयोग ने कहा कि 12 राजनीतिक दलों के जिला अध्यक्षों द्वारा नामित 1.60 लाख बूथ स्तरीय एजेंटों (बीएलए) ने जमीनी स्तर पर इस प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लिया।

मतदाताओं से सीधे मिले दावे और आपत्तियां

चुनाव आयोग ने कहा कि प्रारूप सूची के संबंध में मतदाताओं से सीधे 3,659 दावे और आपत्तियां प्राप्त हुई हैं। नियमों के अनुसार, दावों और आपत्तियों का निपटारा संबंधित निर्वाचक पंजीयन अधिकारी/सहायक निर्वाचक पंजीयन अधिकारी (ईआरओ/एईआरओ) द्वारा 7 दिनों की समाप्ति के बाद किया जाना है। आदेशों के अनुसार, 1 अगस्त 2025 को प्रकाशित मसौदा सूची से किसी भी नाम को, ईआरओ/एईआरओ द्वारा निष्पक्ष जांच करने और सुनवाई का उचित अवसर दिए जाने के बाद स्पष्ट आदेश पारित किए बिना नहीं हटाया जा सकता।

एसआईआर के मुद्दे पर जारी है राजनीतिक हंगामा

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर राजनीतिक विवाद चल रहा है। विपक्षी दलों का आरोप है कि मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया से बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। विपक्षी दल मानसून सत्र की शुरुआत से ही बिहार एसआईआर के मुद्दे पर चर्चा की मांग कर रहे हैं और इसे लेकर संसद में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) 2025 के तहत गणना चरण के पूरा होने के बाद चुनाव आयोग ने बिहार के लिए मसौदा मतदाता सूची जारी की। चुनाव आयोग ने कहा जनता के पास दावे और आपत्तियां पेश करने के लिए एक महीने का समय है, और आश्वासन दिया कि बिना किसी कारण के मसौदा मतदाता सूची से कोई नाम नहीं हटाया जाएगा। बिहार में एसआईआर के आंकड़ों के अनुसार, लगभग 35 लाख मतदाता या तो स्थायी रूप से पलायन कर गए हैं या उनके पंजीकृत पते पर उनका पता नहीं लगाया जा सका है।

ग्लोबल साइबर फ्रॉड मामले में ED का एक्शन, दिल्ली–गुरुग्राम से लेकर देहरादून में 11 ठिकानों पर छापामारी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने बुधवार को एक वैश्विक साइबर ठगी मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए दिल्ली और तीन राज्यों में 11 ठिकानों पर छापेमारी की। यह ठगी 260 करोड़ रुपये की है। इस मामले में ठगों ने विदेशी और भारतीय नागरिकों को निशाना बनाया है। ED ने दिल्ली पुलिस और केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) की FIR के आधार पर धन शोधन निवारण अधिनियम (PMLA) के तहत यह कार्रवाई की। छापेमारी नोएडा (उत्तर प्रदेश), गुरुग्राम (हरियाणा), देहरादून (उत्तराखंड) और दिल्ली में हो रही हैं। ठगों ने खुद को पुलिस या जांच अधिकारी बताकर लोगों को गिरफ्तारी की धमकी देकर पैसे ऐंठे थे। इसके अलावा, उन्होंने माइक्रोसॉफ्ट और अमेजन के टेक सपोर्ट एजेंट बनकर भी लोगों को ठगा है। फ्रॉड करने वालों ने पीड़ितों की संपत्ति को क्रिप्टोकरेंसी में बदला और फिर इसे कई क्रिप्टो-वॉलेट्स में ट्रांसफर किया। ED के मुताबिक, आरोपियों ने 260 करोड़ रुपये के बिटकॉइन जमा किए, जिन्हें बाद में UAE में कई हवाला ऑपरेटरों और व्यक्तियों के जरिए USDT में बदलकर नकदी में तब्दील किया गया।

प्रियंका चोपड़ा ने शेयर किया क्रिप्टिक नोट, क्यों उनके हैं सिर्फ तीन दोस्त; लिखा– 'अनादर...'

कई फिल्मों से दर्शकों का दिल जीत चुकीं प्रियंका चोपड़ा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अपनी दोस्ती और रिस्पेक्ट के बारे में एक क्रिप्टिक नोट लिखा है। इसे पढ़कर आप भी हैरान रह जाएंगे।

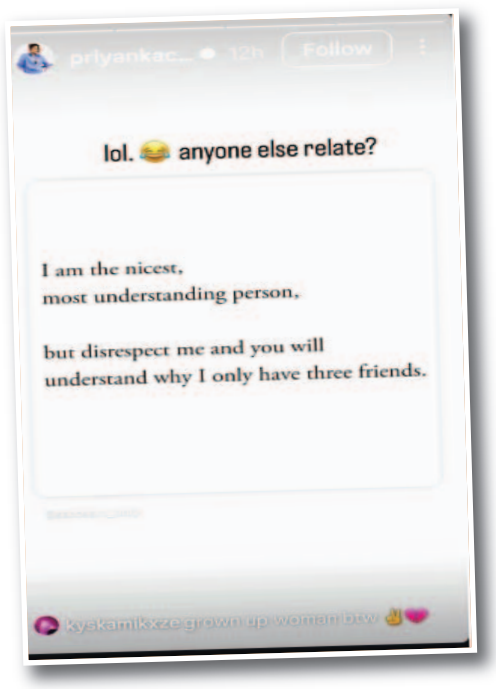

बॉलीवुड और हॉलीवुड में अपनी खास पहचान बना चुकीं प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक क्रिप्टिक नोट लिखा है। इस पोस्ट में प्रियंका ने कड़े शब्दों में समझाया है कि अगर उनका कोई अनादर करेगा तो क्या अंजाम हो सकता है।

प्रियंका का पोस्ट

प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने लिखा, 'वह तब तक बहुत अच्छी और समझदार इंसान हैं, जब तक कोई उनका अनादर न करे। अगर कोई उनका अनादर करता है, तो उनके पास सिर्फ तीन दोस्त ही क्यों हैं, यह समझ आ जाएगा।' उन्होंने इस पोस्ट के साथ मजाकिया अंदाज में लिखा, ₹हाहा, क्या किसी और को भी इससे फर्क पड़ता है?₹

हैदराबाद में कर रही हैं फिल्म की शूटिंग

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रियंका इन दिनों हैदराबाद में एसएस राजामौली की फिल्म 'एसएसएमबी 29' की शूटिंग कर रही हैं, जिसमें महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन भी हैं। उन्होंने हैदराबाद पहुंचने के बाद अपनी बेटी मालती मैरी की प्यारी तस्वीरें भी शेयर की थीं। यह फिल्म एक एक्शन-एडवेंचर ड्रामा होगी, जो इंडियाना जोन्स की तरह होगी, जैसा कि राजामौली के पिता और लेखक विजयेंद्र प्रसाद ने बताया।

प्रियंका का वर्कफ्रंट

प्रियंका आखिरी बार हॉलीवुड फिल्म ₹हेड्स ऑफ स्टेट₹ में दिखी थीं, जिसमें उन्होंने MI6 एजेंट नोएल बिसेट का किरदार निभाया। यह एक मजेदार फिल्म थी, जिसमें इदरीस एल्बा और जॉन सीना भी थे। उनकी अगली हॉलीवुड फिल्म ₹द ब्लफ₹ होगी, जिसमें वह 19वीं सदी की एक पूर्व महिला समुद्री डाकू की भूमिका निभाएंगी, जो अपने परिवार और गांव की रक्षा करती है, लेकिन उसका पुराना रहस्य फिर से सामने आता है।

समंदर किनारे एक्ट्रेस आरती सिंह ने लगाई आग, बोल्ड बिकिनी में फ्लॉन्ट किया अपना फिगर, फोटोज वायरल

टीवी की मशहूर अदाकारा एक्ट्रेस आरती सिंह अक्सर अपनी फोटोज से इंटरनेट पर तहलका मचा देती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी लेटेस्ट बिकिनी फोटोज शेयर की, जिससे सोशल मीडिया पर आग लग गया। लोग उनकी फोटोज पर भरपूर प्यार लुटा रहे हैं। फोटोज में आरती अपनी टोन्ड बॉडी को फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं।

एक्ट्रेस आरती सिंह ने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी हॉट तस्वीरें शेयर की हैं। फोटोज में एक्ट्रेस को बिकिनी में देखा जा सकता है। हॉट अवतार में समंदर किनारे आरती बेहद ही खूबसूरत और बोल्ड लग रही हैं।

पोस्ट करते ही उनकी ये तस्वीरें वायरल हो गई। कमेंट सेक्शन में फैंस उनकी खूब तारीफें कर रहे हैं। एक्ट्रेस ने ये फोटोज अपने मालदीव वेकेशन से शेयर की हैं। फैंस इसपर जमकर प्यार लुटा रहे हैं।

इस फोटोज में आरती ग्रीन स्लीपलेस स्विमसूट में कहर ढा रही हैं। स्टाइलिश पोज देते कड़ी आरती का लुक हर किसी का दिल जीत ले रहा है।

सोशल मीडिया पर आरती सिंह ने ऐसी अपनी कई

फोटोज शेयर की हैं। इस तस्वीर में एक्ट्रेस ने स्विमसूट को व्हाइट स्कर्ट के साथ पेयर किया है। सनग्लासेस पहने वो काफी हॉट लग रही हैं।

बता दें कि आरती सिंह ने बॉयफ्रेंड दीपक चौहान से 25 अप्रैल 2024 को मुंबई के इस्कॉन मंदिर में शादी की थी। आरती सुपरस्टार गोविंदा की भांजी और कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक की बहन भी लगती हैं।

बता दें कि आरती सिंह ने बॉयफ्रेंड दीपक चौहान से 25 अप्रैल 2024 को मुंबई के इस्कॉन मंदिर में शादी की थी। आरती सुपरस्टार गोविंदा की भांजी और कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक की बहन भी लगती हैं।

सोशल मीडिया पर आरती काफी एक्टिव रहती हैं। यहां वो अक्सर अपनी तस्वीरें और विडियोज शेयर करती रहती हैं। उनकी तस्वीरें काफी तेजी से वायरल हो जाती हैं।

टीवी की दुनिया में अपने शानदार किरदार से आरती हर किसी का दिल जीत चुकी हैं। आरती सिंह अब तक कई टीवी शोज का हिस्सा रह चुकी हैं। उन्होंने मायका, गृहस्थी, थोड़ा है बस थोड़े की जरूरत है, परिचय, उतरन, देवों के देवज्महादेव और ससुराल सिमर का में काम किया है।

घरवाली पेड़वाली पर बोलीं प्रियंवदा कांत– टीवी पर कम दिखते हैं सुपरनैचुरल कॉमेडी शो

अभिनेत्री प्रियंवदा कांत जल्द ही एण्ड टीवी के नए धारावाहिक 'घरवाली पेड़वाली में लतिका की भूमिका में नजर आएंगी। इस शो में वह पेड़वाली- यानी एक आत्मा की भूमिका निभा रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि टीवी पर सुपरनैचुरल कॉमेडी वाले शो बहुत कम हैं।

प्रियंवदा ने बताया कि भारतीय टेलीविजन पर सुपरनैचुरल कॉमेडी बहुत कम देखने को मिलती है और यही वजह है कि यह शो उनके लिए खास है।

'घरवाली पेड़वाली की कहानी लतिका नामक एक आत्मा के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अचानक जीवित लोगों की दुनिया में लौट आती है। वह मुख्य पात्र जीतू शर्मा की पत्नी के रूप में सामने आती है। प्रियंवदा ने अपनी भूमिका के बारे में कहा, लतिका सिर्फ एक किरदार नहीं, बल्कि इस कहानी का भावनात्मक और कथानक का केंद्र है। उसका किरदार कहानी को आगे बढ़ाता है। इस अनोखे और फ्रेश थीम वाले शो का हिस्सा बनकर मैं उत्साहित हूं।

प्रियंवदा ने बताया कि लतिका का किरदार जीवंत, कॉमेडी और चुलबुला है, जिसे निभाना उनके लिए बेहद मजेदार है। उन्होंने कहा, मुझे हमेशा से हास्य किरदार निभाना पसंद है और यह मेरा मजबूत पक्ष है। लतिका की मजाकिया नेचर से मैं खुद को जोड़ पाती हूं, क्योंकि मुझे वास्तविक जीवन में भी मजाक करना पसंद है। इस शो में हास्य, भावनाओं, छोटे शहर के आकर्षण और देसी अंदाज का शानदार मिश्रण है।

इस महीने की शुरुआत में घोषणा हुई थी कि अभिनेता पारस अरोड़ा इस शो में जीतू की भूमिका निभाएंगे। जीतू एक साधारण व्यक्ति है, जिसका जीवन

असामान्य परिस्थितियों में उलझ जाता है। उसे दो माताओं और दो पिताओं ने पाला है, वह दो बॉस के अधीन काम करता है और अब एक अजीब मोड़ के कारण उसकी दो पत्नियां हैं।

पारस ने कहा, जीतू का किरदार मुझे अपनी सादगी, हास्य और भावनात्मक गहराई के कारण पसंद आया। आजकल कॉमेडी शो कम ही बनते हैं और यह शो दर्शकों को खुशी देने का मौका देता है। उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि इसकी प्रामाणिकता को और बढ़ाती है। 'घरवाली पेड़वाली जल्द ही एण्ड टीवी पर प्रसारित होगा।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com